आश्विन कृष्णा - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 65 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 27-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गयी है : जे पी नड्डा

6 नमामि गंगे परियोजना को मिली वैश्विक पहचान

7 आरएसएस 'चूहा' नहीं, बल्कि 'हिंदू शेर' है : भाजपा

फर्स्ट टेक

सरकार ने आधार, पैन का ब्योरा देने वाली कई वेबसाइट ब्लॉक कीं

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत पहचान–योग्य जानकारी को उजागर करने वाली कुछ वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया है। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत संचालित भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी–इन) ने इन वेबसाइट में सुरक्षा खामियां पाई थीं। उसके बाद सरकार ने इन वेबसाइट को ब्लॉक करने का कदम उठाया है। बयान के मुताबिक, ''मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि कुछ वेबसाइट भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारियों को उजागर कर रही थीं।

चीन ने परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करने की प्रतिबद्धता जताई

बीजिंग/भाषा। चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल न करने संबंधी नीति का सख्ती से पालन करता है और हाल में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के प्रक्षेपण का इस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा, ''चीन की परमाणु नीति बहुत स्थिर और सुसंगत है। हम परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल न करने की परमाणु नीति का सख्ती से पालन करते हैं और आत्मरक्षा की परमाणु रणनीति अपनाते हैं।''

पैरासिटामोल सहित 50 दवायें परीक्षण में विफल

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने बाजार में बिक रही पैरासिटामोल सहित 50 से अधिक दवाओं को निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है। सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि सीडीएससीओ के परीक्षण में 50 से अधिक दवाएं गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पायी गयी है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए सात अरब डॉलर के नए ऋण पैकेज को दी मंजूरी

इस्लामाबाद/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए सात अरब डॉलर के नए ऋण पैकेज को मंजूरी दे दी है। इससे नकदी की कमी से जूझ रहे देश के मौजूदा आर्थिक संकट से निपटने के प्रयासों को मजबूती देने के लिए 1.1 अरब डॉलर से कम की पहली ऋण किस्त को तत्काल जारी करने की अनुमति मिल गई है।

सूर्यास्त 27-09-2024	सूर्योदय 28-09-2024
6:12 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
85,836.12	26,216.05
(+666.25)	(+211.90)

सोना	चांदी
7,840 रु.	90,419 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गड्ढे में शहर

घायल है जनता सारी ही,
किसको कोसे किस पर भड़कें।
बहरे से हैं जनप्रतिनिधि भी,
केवल चुनाव में ही कड़कें।
चालान बड़ा लेने को बस,
ट्रेफिक वालों के मन फड़कें।
चालक क्या देखे गड्ढों को,
है गड्ढों में सारी सड़कें।।

धनशोधन मामले में

पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को उच्च न्यायालय ने जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी, जिन्हें पिछले साल धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सेंथिल बालाजी को राहत देते हुए कठोर शर्तें भी लगाईं।

शीर्ष अदालत ने ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बालाजी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी एवं सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनने के बाद 12 अगस्त को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उच्च न्यायालय ने बालाजी की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि अगर उन्हें इस तरह के मामले में जमानत पर रिहा किया जाता है तो इससे गलत संकेत जाएगा और यह व्यापक जनहित के खिलाफ होगा। उच्च न्यायालय ने कहा था कि चूंकि याचिकाकर्ता आठ महीने से अधिक समय से हिरासत में है, इसलिए विशेष अदालत को मामले को एक निश्चित समय सीमा के भीतर निपटाने का निर्देश देना उचित होगा।

पीठ ने आदेश में कहा, ''इसलिए चेन्नई स्थित प्रधान विशेष न्यायालय को निर्देश दिया जाएगा कि वह इस आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर मामले का निपटारा करे।'' उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि शीर्ष अदालत द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार मुकदमे की सुनवाई रोजाना आधार पर की जाएगी। बालाजी को पिछले साल 14 जून को ईडी ने कथित नौकरी के बदले नकदी घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया था।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों का हश्र अफजल गुरु जैसा होगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधमपुर/एजेन्सी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि जो कोई भी जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देगा, उसका हश्र संसद पर हमले के दोषी मोहम्मद अफजल गुरु जैसा होगा, जिसे नयी दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी पर लटका दिया गया था।

समाचार एजेंसी 'कश्मीर न्यूज ऑब्जर्वर' (केएनओ) ने बताया कि शाह ने उधमपुर जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला पर यह दावा करने के लिए निशाना साधा कि अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी। शाह ने कहा, फिर क्या बिरयानी खिलानी थी उसको। जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा देंगे, उनका हश्र अफजल गुरु जैसा ही होगा।

उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से अनुच्छेद 370 की बहाली का दावा किये जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि राहुल की आने वाली पीढ़ियां भी अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर पाएंगी। यह पहली बार है कि जम्मू–कश्मीर में चुनाव अनुच्छेद 370 और अलग झंडे के बिना हो रहे हैं। दो संविधानों की संस्कृति का अंत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनिश्चित किया है।

गृह मंत्री ने कहा, नेकां और राहुल बाबा द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के बारे में दावे किए जा रहे हैं, लेकिन राहुल की कई पीढ़ियों में इन प्रावधानों को फिर से लागू करने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले 40 वर्षों के दौरान कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेकां ने आतंकवाद को बढ़ावा दिया, जिसके कारण 40 हजार लोग मारे गए और 3000 दिन कर्फ्यू भी लगा, इसके अलावा हर दिन हमले, बम धमाके होते रहें। हालांकि, जब से मोदी ने सत्ता संभाली है, पथराव और गोलीबारी बंद हो गयी हैं। तीनों पार्टियां जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जीवित करना चाहती हैं, लेकिन मैं उमर अब्दुल्ला को बताना चाहता हूं कि आप जो भी चाहें, कश्मीर की धरती से आतंकवाद को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जायेगा। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार होने के कारण किसी में भी जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की ताकत नहीं है।

आज का भारत नए अवसरों का निर्माण कर रहा है : मोदी

मोदी ने तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोई देश तभी बड़ी उपलब्धियों का लक्ष्य रख सकता है जब उसके पास बड़ी दृष्टि हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का उन्नयन गरीबों को सशक्त बनाने के लिए होना चाहिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत स्वदेश में विकसित लगभग 130 करोड़ रुपए की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए जाने के बाद प्रधानमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया।

मोदी ने कहा कि आज का भारत संभावनाओं के अनंत आकाश में नए अवसरों का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि प्रौद्योगिकी में अनुसंधान से आम आदमी को फायदा हो। उन्होंने कहा, ''विज्ञान की सार्थकता केवल आविष्कार और विकास में नहीं, बल्कि सबसे अंतिम व्यक्ति की आशा, आकांक्षाओं को पूरा करने में है। आज अगर हम हाइटेक हो रहे हैं तो ये भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारी हाइटेक प्रौद्योगिकी गरीबों की ताकत बने।''

संजय राउत को 15 दिन की जेल

मुंबई/भाषा। भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया द्वारा दायर मानहानि के मामले में मुंबई की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत को 15 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई। बाद में अदालत ने सजा को 30 दिन के लिए टाल दिया।

ईडी ने धनशोधन मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव, फाजिलपुरिया की संपत्ति कुर्क की

लखनऊ/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने धनशोधन मामले की जांच के तहत यूट्यूबर सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव, उसके दोस्त एवं गायक राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया और एक कंपनी की 52 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में एक कृषि भूमि और तीनों की कुछ बैंक जमा राशि कुर्क करने के लिए एक अस्थाई आदेश जारी किया गया है। संपत्ति का कुल मूल्य 52.49 लाख रुपये है। ईडी ने आरोप लगाया कि एल्विश यादव और फाजिलपुरिया ने ''प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और धन कमाने के उद्देश्य से संगीत वीडियो और व्लॉग के निर्माण में सांपों की संरक्षित प्रजातियों, इगुआना जैसे विदेशी जानवरों का अवैध रूप से इस्तेमाल किया।''

भारतीय 'सड़क कांग्रेस' एक राजनीतिक दल की तरह काम करना बंद करे : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में बुनियादी ढांचा संबंधी तकनीकी पहलुओं पर मार्गदर्शन देने वाला 90 साल पुराना संगठन भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) भले ही ज्ञान का भंडार है, लेकिन यह एक राजनीतिक दल की तरह काम कर रहा है। गडकरी भारतीय सड़क कांग्रेस के अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में 'पुल प्रबंधन में प्रगति' विषय पर एक विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुझाव दिया, ''कभी–कभी मुझे लगता है कि आप (आईआरसी) एक राजनीतिक पार्टी की तरह काम कर रहे हैं। आप एक पेशेवर संगठन हैं। आपके पास प्रयोगशालाओं के साथ एक स्थायी कार्यालय होना चाहिए और ऐसे लोगों को नियुक्त करना चाहिए जो पूर्णकालिक रूप से अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में रुचि रखते हों और उनके ज्ञान और अनुभव का लाभ उठाना चाहिए।'' केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि यदि आईआरसी इच्छुक हो तो वह भूमि और अनुदान की सुविधा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, ''लेकिन आपको एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और उचित संगठन होना चाहिए। मुझे विश्वास है कि कर्नाटक सहित सभी राज्य सरकारें भी इसमें योगदान देंगी।''

सभी लक्ष्य पूरे होने तक हिजबुल्ला पर हमले बंद नहीं करेगा इजराइल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका देश हिजबुल्ला पर पूरी ताकत से हमला कर रहा है और जब तक उसके लक्ष्य हासिल नहीं हो जाते, वह रुकेगा नहीं।

नेतन्याहू ने यह बात उस समय कही जब वे संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे। इस दौरान अमेरिकी और यूरोपीय अधिकारी इजराइल और लेबनान के हिजबुल्ला के बीच लड़ाई को 21 दिनों के लिए रोकने पर जोर दे रहे थे ताकि वार्ता के लिए समय मिल सके।

नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल की ''नीति स्पष्ट है। हम हिजबुल्ला पर पूरी ताकत से हमला करना जारी रखेंगे। और हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हम अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर लेते, जिनमें से सबसे प्रमुख लक्ष्य उत्तर के निवासियों की सुरक्षित रूप से उनके घरों में वापसी है।''

इजराइल ने बेरूत के उपनगरीय इलाकों में हवाई हमला किया

तेल अवीव/एपी। लेबनान के हिज्बुल्ला समूह के टीवी स्टेशन ने बेरूत के एक उपनगर में इजराइली हवाई हमले की सूचना दी है। अल–मनार टीवी ने बृहस्पतिवार की हड़ताल के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने बेरूत के दक्षिण में हमला किया है, लेकिन उसने विस्तृत जानकारी नहीं दी। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि विस्तृत जानकारी बाद में जारी की जाएगी।

महालक्ष्मी जन्मोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गांधीनगर स्थित वैष्णव भवन में श्रीमाली ब्राह्मण समाज बेंगलूरु की ओर से महालक्ष्मी जन्मोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। इस मौके बर श्रीमाली समाज के पुरुष व महिला सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। महिलाओं ने मां लक्ष्मी के मंगल गीत गाकर पूजा अर्चना की।

श्रीनगर की डल झील अब 'डल' नहीं रही: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि जब वह 1990 में वहां गए थे तो श्रीनगर की डल झील 'डल' (नीरस) थी, लेकिन अब यह पर्यटकों से गुलजार है। उन्होंने इस बात की ओर भी ध्यान दिलाया कि अब इस क्षेत्र में अनुच्छेद 370 लागू नहीं है।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के 83वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने केंद्रीय मंत्री के रूप में 1990 में श्रीनगर की अपनी यात्रा को याद किया, जब वह डल झील के पास एक होटल में ठहरे थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''सबकुछ नीरस था। डी-यू-एल-एल (डल)। सड़क पर 20 व्यक्ति भी नहीं देखे जा सकते थे। उदासी और निराशा की स्थिति थी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा, जिसके वह सभापति हैं, को पिछले साल सूचित किया गया था कि दो करोड़ पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। धनखड़ ने बताया कि अनुच्छेद 370, जिसकी परिकल्पना संविधान के अस्थायी प्रावधान के रूप में की गई थी, अब नहीं है। उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 370, एकमात्र ऐसा अनुच्छेद है जिसे अस्थायी करार दिया गया था और जिसे कुछ लोगों ने स्थायी तौर पर माना था (जिनमें वे लोग भी शामिल थे जिन्होंने संविधान के तहत शपथ ली थी), अब नहीं है।''

धनखड़ ने वर्तमान स्थिति की तुलना 1990 के दशक से करते हुए कहा, ''आज देश की स्थिति मेरे सपनों से परे है। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। मैंने उस भारत की कल्पना भी नहीं की थी जो आज है।''

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1990 का दशक एक ऐसा समय था जब भारत को अपनी वित्तीय विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपना सोना स्विस बैंकों के पास गिरवी रखना पड़ा था क्योंकि विदेशी मुद्रा भंडार एक अरब अमेरिकी डॉलर तक गिर गया था और विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे वित्तीय संस्थानों ने सलाह की आड़ में भारत को दिशानिर्देश जारी किए थे।

धनखड़ ने कहा कि 1990 का दशक भी सत्ता के गलियारों के बिचौलियों का युग था, भ्रष्टाचार व्याप्त था और केवल वंश-परिवार वाले व्यक्तियों को ही अवसर सुलभ हो सकते थे। उन्होंने कहा कि आईएमएफ अब भारत को निवेश और अवसर के लिए सबसे पसंदीदा वैश्विक गंतव्य बताता है और विश्व बैंक डिजिटलीकरण के लिहाज से भारत को एक 'रोल मॉडल' करार देता है।

अपील दायर करने पर कानूनी विशेषज्ञों से कर रहे विमर्श : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के सलाहकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच के लिए राज्यपाल की मंजूरी को बरकरार रखने के अदालती आदेशों तथा उनके खिलाफ लोकायुक्त पुलिस जांच के आदेश के मद्देनजर अपील दायर करने पर वरिष्ठ अधिवक्ता और विशेषज्ञों के साथ परामर्श जारी है। एक प्रमुख कानूनी सलाहकार ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

एमयूडीए मामले में बुधवार को यहां एक विशेष अदालत ने सिद्दरामय्या के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस जांच का आदेश दिया, जिससे उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का मार्ग प्रशस्त हो गया। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट का आदेश उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ द्वारा एमयूडीए की ओर से मुख्यमंत्री की पत्नी बी एम पार्वती को 14 भूखंडों के आवंटन में अवैधता के आरोपों पर सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच करने के लिए

राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को बरकरार रखने के एक दिन बाद आया।

कांग्रेस विधायक, वरिष्ठ अधिवक्ता और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए एस पोन्नाना ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम शुरू से ही कह रहे हैं कि कोई भी जांच-पड़ताल हो, हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन, कानूनी तौर पर जो कुछ खामियां हुई हैं, उन्हें सुधारना जरूरी है, यह हमारा कर्तव्य है। उच्च न्यायालय की खंडपीठ या उच्चतम न्यायालय में अपील करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर पोन्नाना ने कहा, अपील कहां और कब दायर करनी होगी और सांसद/विधायक (विशेष) अदालत के संबंध में क्या कार्रवाई की जानी चाहिए, इन सभी बातों की हम पड़ताल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''अधिवक्ताओं और वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ चर्चा जारी है। दिल्ली में हमारे वकील, जिन्होंने मामले में बहस की (अभिषेक मनु सिंघवी), हम उनकी सलाह लेने की कोशिश करेंगे और उसके बाद कुछ दिन में हम अपना रुख स्पष्ट करेंगे।'' उच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए पोन्नाना ने कहा, ''हमारा तर्क यह था कि राज्यपाल की ओर से दिमाग का कोई इस्तेमाल नहीं किया गया। दिमाग का इस्तेमाल नामक यह कानूनी सिद्धांत न केवल राज्यपाल तक सीमित है, बल्कि यह अदालत पर भी लागू होता है।''

खास तौर पर पूर्व और निर्वाचित सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों को देखने वाली विशेष अदालत ने बुधवार को आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर शिकायत पर मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस को सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच शुरू करने का आदेश जारी किया। पोन्नाना ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मामले को पूरी तरह ''राजनीति से प्रेरित'' बताया। उन्होंने कहा, चाहे कोई जांच हो या पूछताछ, सच छिप नहीं सकता।

हरियाणा चुनाव: सुरक्षा और अखाड़ों में वापसी के लिए फोगाट से आस लगाए बैठी हैं युवा पहलवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद/सोनीपत/भाषा। हरियाणा की कई युवा महिला पहलवान, विशेषकर डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के मद्देनजर अपने करियर के बारे में पुनर्विचार कर रहीं पहलवान चाहती हैं कि विनेश फोगाट खेल मंत्री बनें ताकि उन्हें अखाड़ों में वापसी करने में मदद मिले। कुश्ती के अखाड़े एक समय युवा लड़कों व लड़कियों से भरे हुआ करते थे, जिनका एक ही लक्ष्य होता था - बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक जीतना और उसके बाद सरकारी नौकरी पाना।

हालांकि, जनवरी 2023 में फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया समेत शीर्ष पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के बाद चीजें बदल गईं। प्रदर्शनों के दौरान, जूनियर महिला पहलवानों को कथित रूप से परेशान करने के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन सांसद बृजभूषण शरण सिंह के इस्तीफे की मांग की गई। इसके बाद से अखाड़ों में युवा महिला पहलवानों के बीच पहलवानी छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सोनीपत जिले में युद्धवीर अखाड़े में प्रशिक्षण ले रही एक युवा महिला पहलवान ने कहा, ''मैं विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद पांच महीने तक यहां नहीं आई, क्योंकि मेरे माता-पिता ने मुझे प्रशिक्षण जारी रखने की अनुमति नहीं दी थी।'' युद्धवीर अखाड़ा लड़कियों के लिए सबसे बड़ा अखाड़ा है। पहलवान ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा, ''मैंने किसी तरह उन्हें प्रशिक्षण फिर से शुरू करने के लिए मना लिया है, लेकिन अब जब तक मैं यहां रहती हूं वह मेरे साथ रहते हैं।'' उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमें उम्मीद है कि जब विनेश फोगाट निर्वाचित होंगी, तो उन्हें खेल मंत्री बनाया जाएगा क्योंकि वह महिला पहलवानों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझती हैं।'' फोगाट हरियाणा में जींद जिले के जुलाना से विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। रोहतक के मेहर सिंह अखाड़े में प्रशिक्षण के लिए आने वाली युवा पहलवानों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

रासायनिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान करें: मुख्यमंत्री पटेल ने उद्योग जगत से कहा

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बृहस्पतिवार को उद्योग जगत के नेताओं से आग्रह किया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए रासायनिक कचरे का 100 प्रतिशत वैज्ञानिक तरीके से निपटान करें। उन्होंने एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) की गुजरात परिषद के एक कार्यक्रम में यहां उद्योगपतियों और अन्य हितधारकों से यह बात कही। उन्होंने कहा, 'मेक इन इंडिया' की सफलता के बाद, हम 'मेड इन इंडिया' की ओर बढ़ रहे हैं। जब हम विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक अगुवा बनने की आकांक्षा रखते हैं, तो हमें टिकाऊ विकास और पर्यावरण की देखभाल करने पर भी ध्यान देना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने रासायनिक उद्योग से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिक तरीके से रासायनिक कचरे का 100 प्रतिशत निपटान करें, ताकि इससे पर्यावरण पर कोई असर न पड़े। पटेल ने कहा, ''अगर आपको लगता है कि रासायनिक कचरे के निपटान की लागत बहुत अधिक है, तो मैं आपको भरोसा देता हूं कि राज्य सरकार आपकी हरसंभव मदद करेगी।''

मद्रास उच्च न्यायालय ने आरएसएस के 'पथ संचलन' का विवरण आयोजक से उपलब्ध कराने को कहा

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने विजयादशमी से पहले छह अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा निकाले जाने वाले 'पथ संचलन' के आयोजकों को बृहस्पतिवार को संबंधित पुलिस अधिकारियों से मिलने और पुलिस द्वारा मांगे गए विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने आरएसएस के तिरुपुर जिला सचिव ज्योति प्रकाश और आरएसएस डिंडीगुल के संयुक्त सचिव सेतुराज की याचिकाओं पर यह निर्देश दिया, जिसमें पुलिस के आदेश को चुनौती दी गई थी। पुलिस ने 'पथ संचलन' आयोजित करने की अनुमति मांगने वाले आवेदनों को खारिज कर दिया था।

न्यायाधीश ने कहा कि इस 'पथ संचलन' का विवरण दिया जाएगा और पिछले साल इस अदालत द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार इसे अंतिम रूप दिया जाएगा तथा 30 सितंबर को इसकी रिपोर्ट अदालत के समक्ष पेश की जाएगी। अदालत ने कहा कि यह आदेश न केवल याचिकाकर्ताओं के लिए बल्कि उस संगठन के संबद्ध संगठनों पर भी लागू है।

न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने विजयादशमी से पहले पथ संचलन' की अनुमति के लिए याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि अदालत के आदेश के बावजूद पुलिस ने उनके आवेदन खारिज कर दिए।

सरकारी वकील ने दलील दी कि 'पथ संचलन' के आरंभ और समापन बिंदु तथा अन्य बुनियादी विवरण प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। न्यायाधीश ने कहा कि उक्त उद्देश्य के लिए आवेदनों को खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को आयोजकों को बुलाकर इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि वे विवरण उपलब्ध कराएंगे।

एथनॉल का दाम, चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य बढ़ाने पर विचार कर रही है सरकार

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार 2024-25 सत्र के लिए एथनॉल की कीमत तथा चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य को बढ़ाने पर विचार कर रही है। जोशी ने कहा कि एथनॉल की कीमत बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है। पेट्रोलियम मंत्रालय इस मामले को देख रहा है। यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि सरकार ''चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है'', जो फरवरी, 2019 में तय दर 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे मानसून के कारण 2024-25 सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी उत्पादन बेहतर लग रहा है। सरकार द्वारा तय की गई एथनॉल कीमतों में एथनॉल आपूर्ति वर्ष 2022-23 (नवंबर-अक्टूबर) के बाद से बढ़ोतरी नहीं की गई है।

केजरीवाल को विधानसभा में 41 नंबर की सीट तो सिसोदिया को 40 नवंबर की सीट आवंटित की गई

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री की हैसियत से 'पहले नंबर' की सीट पर बैठा करते थे, लेकिन बृहस्पतिवार को उन्हें सदन में 41 नंबर की सीट आवंटित की गई। यह सीट मुख्यमंत्री की सीट से कुछ दूरी पर है। उनकी जगह मुख्यमंत्री का पद संभालने वाली आतिशी को 'पहले नंबर' की सीट मिली है।

वहीं, केजरीवाल के विश्वासपात्र एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 'आप' के प्रमुख के बगल की सीट दी गई है। उन्हें 40 नंबर की सीट आवंटित की गई है।

कार्यभार संभालने के बाद आतिशी ने मुख्यमंत्री कार्यालय में अपने पूर्ववर्ती केजरीवाल द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कुर्सी खाली रखी थी, जिसे भाजपा और कांग्रेस ने पद का घोर अपमान बताया था।

आबकारी नीति मामले में जमानत पर तिहाड़ जेल से बाहर आने के कुछ दिनों बाद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र मिलने के बाद वह पद पर लौट आएंगे।

राकांपा से कम वोट हस्तांतरण के कारण भाजपा का लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन हुआ : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में भाजपा के खराब प्रदर्शन का कारण अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से वोट का कम हस्तांतरण था। उन्होंने कहा कि भाजपा के ''कोर मतदाताओं'' को राकांपा के साथ गठबंधन पसंद नहीं आया, हालांकि ''80 प्रतिशत'' अब इस तरह के ''राजनीतिक समझौतों'' की जरूरत को समझ गए हैं।

सत्तारूढ़ गठबंधन राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से सिर्फ 17 सीटें जीत सका। भाजपा ने नौ सीटें जीतीं, जबकि 2019 में यह संख्या 23 थी। प्रदेश में सत्तारूढ़ गठबंधन में भाजपा, राकांपा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना शामिल है। भाजपा नेता ने ''इंडिया टुडे कॉन्क्लेव'' कार्यक्रम में कहा, ''यह सच है कि पिछले कुछ आम चुनावों में यह भाजपा का सबसे खराब प्रदर्शन है। हमने 28 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन फिर भी हमें बहुत कम सीटें मिलीं। हालांकि, हम 12 सीटें 3 प्रतिशत से भी कम वोटों से हारे, जो 3000-6000 वोटों का अंतर है। यह याद रखना चाहिए कि हमें इस (2024 के लोकसभा) चुनाव में सबसे ज्यादा वोट मिले।''

फडणवीस ने कहा कि भाजपा को शिंदे की शिवसेना (7) और अजित पवार की राकांपा (1) से ज़्यादा सीटें मिलीं। उन्होंने कहा कि दोनों टूटकर बनी पार्टियां थीं, और एक तरह से नई पार्टियां थीं। उन्होंने कहा, ''उनके लिए, यह लोकसभा चुनाव मूल रूप से उनके मतदाताओं का आधार तैयार करने के लिए था। यह उन दोनों (दलों) के लिए थोड़ा मुश्किल था। हमारे लिए, यह तुलनात्मक रूप से आसान था क्योंकि हमारा मतदाता आधार तय हो चुका है। उन्होंने कहा कि ये मुद्दे राज्य विधानसभा चुनावों में दोहराए नहीं जाएंगे।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, पीएसएमसी ने धोलेरा में चिप विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली/भाषा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ताइवान स्थित पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इस समझौते के तहत ताइवान की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की धोलेरा में विनिर्माण इकाई स्थापित करने में प्रौद्योगिकी स्तर पर सहायता करेगी। समझौते के अनुसार, पीएसएमसी गुजरात में भारत की पहली एआई-सक्षम अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई के निर्माण के डिजाइन तथा निर्माण में सहायता देगी। साथ ही वह प्रौद्योगिकियों के एक विस्तृत खंड का लाइसेंस और विनिर्माण इकाई को इंजीनियरिंग सहायता भी देगी।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा, '' हमें पीएसएमसी के साथ साझेदारी करके खुशी है, जिसकी प्रौद्योगिकी तथा विशेषज्ञता भारत में अग्रणी सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए हमारे सफर को गति देगी। इससे हम वैश्विक ग्राहकों की सेवा करने के लिए बढ़ते सेमीकंडक्टर बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।''

देश चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 7.0% की वृद्धि हासिल करने के रास्ते पर : वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 7.0 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने के रास्ते पर बढ़ रहा है। अगस्त तक के जीएसटी, पीएमआई, बिजली खपत जैसे महत्वपूर्ण आंकड़ों से यह संकेत मिलता है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, हाल के घटनाक्रमों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में वृहद आर्थिक स्थिरता की बुनियाद मजबूत है। स्थिर वृद्धि, निवेश, रोजगार और मुद्रास्फीति के रुख, मजबूत और स्थिर वित्तीय क्षेत्र तथा संतोषजनक विदेशी मुद्रा भंडार समेत मजबूत बाह्य खाते के साथ भारत की बुनियाद मजबूत है। अगस्त की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है, ''वृहद आर्थिक मोर्चे पर एक चुनौती वैश्विक आर्थिक संभावनाओं में जारी अनिश्चितता से निपटने की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'व्यवस्थित रूप से' रोजगार व्यवस्था को खत्म किया: हरियाणा रैली में राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और उन पर देश में रोजगार व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से खत्म करने का आरोप लगाया।

करनाल के असंध में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने विश्वास जताया कि कांग्रेस पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करेगी। उन्होंने जाति जनगणना का मुद्दा उठाया और भाजपा पर लोगों को बांटने और उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का आरोप लगाया। गांधी ने कहा, कांग्रेस हरियाणा चुनाव में जीत दर्ज करने जा रही है। तूफान आने वाला है और हम सभी के लिए सरकार बनाएंगे। रैली में कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी की प्रदेश इकाई के प्रमुख उदयभान और अन्य नेता मौजूद थे। भाजपा सरकार पर हमला करते हुए गांधी ने कहा कि उसने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। गांधी ने अपनी हालिया अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने हरियाणा के कुछ प्रवासियों से मुलाकात की जो बेहतर भविष्य की तलाश में वहां गए थे क्योंकि उन्हें अपने गृह राज्य में रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे थे।

गांधी ने कहा कि उन्होंने पाया कि टेक्सास के डलास में एक कमरे में हरियाणा के 15 से 20 युवक रह रहे थे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने उनसे पूछा कि वे अमेरिका कैसे पहुंचे और उन्हें पता चला कि अमेरिका पहुंचने के लिए उन्हें कजाकिस्तान और तुर्किये जैसे देशों के साथ-साथ दक्षिण अमेरिकी देशों और पनामा के जंगलों से होकर यात्रा करनी पड़ी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

संजौली मस्जिद मामला: जयराम ठाकुर ने की

एआईएमआईएम नेता शोएब जमई की गिरफ्तारी की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बृहस्पतिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के नेता शोएब जमई पर शिमला में संजौली मस्जिद मुद्दे पर लोगों की भावनाओं को भड़काने का आरोप लगाया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। जमई ने विवादित संजौली मस्जिद से एक वीडियो बनाकर विवाद खड़ा कर दिया। जमई ने वीडियो में कहा था कि वह एक जनहित याचिका दायर कर पूछेंगे कि आसपास की चार मंजिल से अधिक ऊंची इमारतों को अवैध क्यों नहीं माना जाता।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा, जब स्थानीय लोगों को मस्जिद में जाने की अनुमति नहीं है, तो कोई बाहरी व्यक्ति कैसे

आकर मस्जिद के अंदर वीडियो बना सकता है। उन्होंने यह भी पूछा कि जमई को मस्जिद में किसने जाने दिया और प्रशासन क्या कर रहा था। ठाकुर ने कहा, एआईएमआईएम नेता संजौली मस्जिद विवाद के संबंध में लोगों की भावनाओं को भड़का रहे हैं और उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को नहीं समझती है।

संजौली मस्जिद से फिल्माया गया जमई का ये वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें उसे यह कहते हुए सुना गया कि न्याय सभी के लिए समान है और केवल अदालत ही तय करेगी कि मस्जिद वैध थी या अवैध। मस्जिद के बराबर मंजिलों वाली इमारतों को दिखाते हुए जमई ने कहा कि अगर यह मस्जिद अवैध है, तो कई अन्य निर्माण भी अवैध हैं और ''हम अदालत में एक जनहित याचिका दायर करेंगे और पूछेंगे कि साढ़े चार मंजिलों से अधिक की अन्य इमारतें अवैध क्यों नहीं हैं।'' हालांकि, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और संजौली मस्जिद समिति के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ ने बुधवार को इस कृत्य की निंदा की थी।

इस्तीफा नहीं दूंगा, कुछ गलत नहीं किया: सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को एक बार फिर दोहराया कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे।

उन्होंने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंड आवंटित किए जाने में किसी भी तरह की अनियमितता के आरोपों को खारिज कर दिया। सिद्दरामय्या ने खुद पर लगे आरोपों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का षड़यंत्र करार देते हुए कहा कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मैसूर में लोकायुक्त पुलिस द्वारा जांच कराने का बुधवार को आदेश दिया था, जिसके साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया। उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने भी सिद्दरामय्या के इस्तीफे की संभावना से इनकार किया।

कर्नाटक में विपक्षी दल भाजपा ने बृहस्पतिवार को यहां विधान सौध में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया और सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग की। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है।

यह (उनके खिलाफ आरोप) भाजपा की साजिश है। उन्होंने कहा, ''....क्या प्रधानमंत्री (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी) ने गोधरा कांड के चलते इस्तीफा दे दिया था?

कुमारस्वामी (जेडीएस के नेता) नरेन्द्र मोदी की सरकार में मंत्री हैं, वे जमानत पर हैं, क्या उन्होंने इस्तीफा दिया है?'' मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या उन्होंने इस्तीफा दिया? क्या वे शर्मिंदा नहीं हैं? मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। मैं कानूनी लड़ाई लड़ूंगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग करते हुए भाजपा ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भूआवंटन मामले में एक विशेष अदालत द्वारा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ लोकायुक्त जांच का आदेश दिये जाने के बाद उनके (मुख्यमंत्री के) इस्तीफे की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक एवं विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी के नेतृत्व में यहां विधान सौधा में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया गया जिसमें पार्टी के कई विधायकों एवं नेताओं ने हिस्सा लिया। विधान सौध में विधानमंडल एवं सचिवालय है। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। उनके हाथों में तख्तियां थीं।

अशोक ने कहा, ''सिद्दरामय्या के खिलाफ दो अदालती आदेश आ चुके हैं। जब हमने पहले विधानसभा के अंदर और बाहर विरोध प्रदर्शन किया तो उन्होंने (मुख्यमंत्री और कांग्रेस) इसे राजनीति से प्रेरित बताया।

जब राज्यपाल का आदेश आया तो उन्होंने कहा कि यह केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के इशारे पर है। अब उच्च न्यायालय और विशेष अदालत ने आदेश दिए हैं, उन्होंने आरोपों में सच्चाई पायी है और कहा है कि इसकी जांच होनी चाहिए।''उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''इसके बावजूद, कांग्रेस इसे राजनीति से प्रेरित बताकर नाटक कर रही है... सिद्दरामय्या को इस्तीफा दे देना चाहिए और जांच में सम्मानपूर्वक सहयोग करना चाहिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि सरकार चली जाए, अगर वह (सिद्दरामय्या बतौर मुख्यमंत्री) नहीं तो कोई और। हम निष्पक्ष जांच चाहते हैं और सरकारी संपत्ति की रक्षा होनी चाहिए।'' जब उनसे इस बारे में पूछा गया कि कांग्रेस नेता और पूर्व विधानसभाध्यक्ष के बी कोलीवाड ने कथित रूप से कहा है कि सिद्दरामय्या को इस्तीफा दे देना चाहिए, तब अशोक ने कहा कि सत्तारूढ़ दल के अंदर से भी ऐसी ही मांग उठ रही है।

मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के अंदर कई दावेदारों के होने का दावा करते हुए विपक्ष के नेता (विधानसभा) ने कहा, ''सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग करते हुए कुछ दिनों में उनकी पार्टी में बगावत होगी, उससे पहले ही अच्छा होगा कि वह कुर्सी छोड़ दें।'' मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के अंदर झगड़ा होने का अनुमान लगाते हुए अशोक ने कहा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री (डी के शिवकुमार) के बीच पहले से मतभेद है तथा छह सात मंत्रियों ने पहले ही मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी आकांक्षा खुलेआम व्यक्त कर दी है। उसके बाद मुख्यमंत्री पद के लिए विधायकों के बीच बैठकें शुरू होंगी।'' अशोक समेत प्रदर्शनकारी भाजपा विधायक और नेता जब विधानसौधा भवन की ओर कूच कर रहे थे तो पुलिस उन्हें बस में बैठाकर वहां से ले गयी। उनकी कथित मंशा विधानसौधा का घेराव करने की थी। वे मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांगते हुए नारे लगा रहे थे। बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूआवंटन मामले में सिद्दरामय्या के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस जांच का बुधवार को आदेश दिया था। अब उसके बाद उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया है। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट के इस आदेश से एक दिन पहले उच्च न्यायालय ने सिद्दरामय्या की पत्नी बी एम पार्वती को एमयूडीए द्वारा किये गये 14 भूखंडों के आवंटन में गड़बड़ी के आरोपों के सिलसिले में मुख्यमंत्री के खिलाफ राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई जांच की मंजूरी को कायम रखा था।

पूर्व एवं वर्तमान सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों से निपटने के लिए गठित विशेष अदालत ने मैसूरु की लोकायुक्त पुलिस को आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत पर जांच शुरू करने का आदेश दिया था। प्रदर्शन के जारी रहने के बीच सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को फिर कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने फिर से दोहराया कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। अपने ऊपर लग रहे आरोपों को भाजपा की 'साजिश' करार देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

सिद्दरामय्या ने केडब्ल्यूआईएन सिटी का किया उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को ज्ञान, कल्याण तथा नवोन्मेषण शहर (केडब्ल्यूआईएन सिटी) का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केडब्ल्यूआईएन सिटी भविष्य के लिए कर्नाटक के साहसिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। यह ज्ञान, स्वास्थ्य, नवाचार तथा अनुसंधान के लिए एक अत्याधुनिक केंद्र है। उन्होंने कहा, ''हम एक ऐसा परिवेश तैयार कर रहे हैं जो आर्थिक वृद्धि को गति देगा, वैश्विक प्रतिभाओं को आकर्षित करेगा और अभूतपूर्व प्रगति को बढ़ावा देगा।'' अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित केडब्ल्यूआईएन सिटी 5,800 एकड़ में फैली होगी। यह कर्नाटक के व्यापार परिदृश्य को नए सिरे से परिभाषित करेगी तथा ज्ञान, कल्याण व नवोन्मेष को एक ऐसे परिवेश में एकीकृत करेगी जो वृद्धि और नवाचार को बढ़ावा देगी। उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि केडब्ल्यूआईएन सिटी को शहर के जीवंत परिवेश से फायदा मिलेगा और साथ ही यह इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। बड़े एवं मझोले उद्योग तथा अवसंरचना विकास मंत्री एम. बी. पाटिल ने कहा कि प्रस्तावित सिटी एक परिवर्तनकारी पहल है, जो एक मजबूत व्यापार परिवेश को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

कांग्रेस के किसी नेता ने मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी नहीं की : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड आवंटन मामले में सिद्दरामय्या के लोकायुक्त जांच का सामना करने के मद्देनजर पार्टी के किसी भी नेता ने मुख्यमंत्री पद के लिए दावा पेश नहीं किया है। उन्होंने सिद्दरामय्या के पद से इस्तीफा देने की संभावना से भी इनकार किया। बुधवार को यहां एक विशेष अदालत ने एमयूडीए घोटाले में मैसूर में लोकायुक्त पुलिस द्वारा जांच के आदेश दिए थे, जिससे उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया है।

शिवकुमार ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, (इस्तीफा) मांगने का कोई सवाल ही नहीं है। यह मुख्यमंत्री के खिलाफ राजनीतिक साजिश है। इसमें कोई दम नहीं है। वे (विपक्षी दल) बेवजह राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इसका कानूनी तरीके से सामना करेंगे। उन्होंने कहा, हम प्रतिबद्ध हैं। हम उनका (सिद्दरामय्या का) समर्थन करेंगे। उनके इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं उठता।

जब उनसे कुछ नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए दावा करने की खबरों के बारे में पूछा गया तो शिवकुमार ने कहा, इसका कोई सवाल ही नहीं है। कोई भी दावा नहीं कर रहा है। जब मैं खुद उपमुख्यमंत्री होने के नाते दावा नहीं कर रहा हूं तो दूसरों का क्या मतलब है? विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट का यह आदेश उच्च न्यायालय द्वारा राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच करने की मंजूरी को बरकरार रखने के एक दिन बाद आया है। सिद्दरामय्या पर एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती को 14 स्थलों के आवंटन में गड़बड़ी के आरोप हैं।

पूर्व एवं निर्वाचित सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों से निपटने के लिए गठित विशेष अदालत ने मैसूर की आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर शिकायत पर जांच शुरू करने के लिए मैसूर के लोकायुक्त पुलिस को निर्देश जारी किया। एमयूडीए साइट आवंटन मामले में, यह आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामय्या की पत्नी को मैसूर के एक पॉश इलाके में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य एमयूडीए द्वारा अधिग्रहित उनकी भूमि की तुलना में अधिक था। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां आवासीय लेआउट विकसित किया गया था।

शिवमोग्गा क्षेत्र के विकास में रेलवे का महत्वपूर्ण योगदान है : वी. सोमन्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा के लिए स्थानीय सांसद, विधायकों, एमएलसी, रेलवे एवं जिला अधिकारियों के साथ बैठक की। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने आज शिवमोग्गा में रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में सांसद बी.वाई. राघवेंद्र, विधायक चन्नबसप्पा, विधायक श्रीमती शारदा नाइक, एमएलसी श्रीमती भारती शेट्टी, एमएलसी डी.एस. अरुण, एमएलसी श्रीमती बालकिश बानू, एमएलसी डॉ. धनंजय, शिवमोग्गा के उपायुक्त गुरुदत्त हेगड़े, दक्षिण-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, मैसूर की मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती शिल्पी अग्रवाल, केआरसीएल एवं राइट्स के रेलवे अधिकारी तथा राज्य सरकार के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रेस को संबोधित करते हुए वी. सोमन्ना ने शिवमोग्गा क्षेत्र में रेलवे के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। उन्होंने मैसूरु डिवीजन में रेलवे के बुनियादी ढांचे में बड़े उन्नयन का अवलोकन किया, जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना भी शामिल है, जिसका उद्देश्य मैसूरु डिवीजन में 15 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है। जिसकी कुल लागत 385 करोड़ रुपये है। उन्होंने शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-रानीबेन्नूर नई लाइन परियोजना, कोटेगंगुरु में कोचिंग डिपो, बिरूर से शिवमोग्गा टाउन लाइन के दोहरीकरण और शिवमोग्गा में विश्व स्तरीय माल शेड के विकास की प्रगति पर चर्चा की।

उन्होंने यात्री सुविधाओं और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से चल रही कई पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक के दौरान स्थानीय प्रतिनिधियों की ओर से विभिन्न मांगें उठाई गईं, जिनमें अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भद्रावती रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तलगुप्पा, सागरराजमबगारू और शिवमोग्गा टाउन रेलवे स्टेशनों पर काम में तेजी लाना, कुम्सी रेलवे स्टेशन का उन्नयन, तलगुप्पा-होन्नावर नई लाइन का प्रस्ताव, शिवमोग्गा टाउन और बेंगलूरु के बीच एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करना और ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाने और विस्तार जैसी विभिन्न अन्य ट्रेन सेवाओं की मांग शामिल है।

हाईकोर्ट का फैसला राजनीति से प्रेरित नहीं : जमीर अहमद खान

बेंगलूरु। आवास मंत्री जमीर अहमद खान ने कहा कि उन्होंने यह नहीं कहा कि मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के संबंध में उच्च न्यायालय का फैसला राजनीति से प्रेरित है। इस पर उन्होंने एक प्रेस बयान दिया है, उन्होंने कहा, ''मैं कोर्ट का बहुत सम्मान करता हूं और कोर्ट के फैसले के आगे हम सभी नतमस्तक हैं। हाई कोर्ट के फैसले के बाद विपक्षी दल राजनीति कर रहे हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी राय है कि इसका इस्तेमाल राजनीति के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या भी जांच के लिए तैयार हैं। कांग्रेस आलाकमान और सभी विधायक एवं मंत्री मुख्यमंत्री के साथ हैं और किसी भी कारण से इस्तीफा का सवाल ही नहीं उठता। इसके अलावा उन्होंने कोर्ट के फैसले के बारे में कोई राय जाहिर नहीं की. मेरा तर्क था कि यह राजनीति से प्रेरित आरोप है, मैं दोहराता हूं कि न्यायालय के प्रति मेरे मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने कुछ गलत कहा है तो वह माफी मांगने को तैयार हैं।

भुवनेश्वर और यशवंतपुर के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेनें

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए और आगामी दीपावली और पूजा त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, ईस्ट कोस्ट रेलवे ने भुवनेश्वर और यशवंतपुर के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है।

ट्रेन संख्या 02811 भुवनेश्वर-यशवंतपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 5 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को भुवनेश्वर से शाम 07:15 बजे रवाना होगी और सोमवार को सुबह 12:15 बजे यशवंतपुर स्टेशन पर पहुँचेगी। मंगलवार को ट्रेन संख्या 02812 यशवंतपुर-भुवनेश्वर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 7 अक्टूबर से 2 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को सुबह 04:30 बजे यशवंतपुर से प्रस्थान करेगी और दोपहर 12:15 बजे भुवनेश्वर स्टेशन पहुंचेगी।

सरकार ने जांच के लिए सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने का फैसला किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार ने राज्य में मामलों की जांच के लिए सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति बृहस्पतिवार को वापस लेने का फैसला किया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने कहा, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 के तहत कर्नाटक राज्य में आपराधिक मामलों की जांच के लिए सीबीआई को सामान्य सहमति देने वाली अधिसूचना वापस ले ली गई है।

दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 की धारा 6 के अनुसार, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में जांच करने के लिए संबंधित सरकारों से सहमति की आवश्यकता होती है। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि यह स्पष्ट है कि सीबीआई या केंद्र सरकार अपने साधनों का उपयोग करते समय उनका विवेकपूर्ण उपयोग नहीं कर रही है।

इसरो ISRO

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094541/4178 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। (फोन : 080-2809 4541,4178)

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ए.सी/एमएआईएनटी/ ईटीएन-49 2024-25 दिनांक 25.09.2024
कार्य का नाम	आईडीएसएन कैंटीन, आईडीएसएन, ब्यालालु, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में डंबवेटर का प्रतिस्थापन (02 नग)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 10.42 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	06 माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	27.09.2024 को 16.00 बजे से 14.10.2024 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	28.09.2024 से 15.10.2024 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	16.10.2024 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	17.10.2024 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	18.10.2024 को 11.00 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 20,840.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

बेंगलूरु महिला हत्याकांड के आरोपी ने ओडिशा में की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भुवनेश्वर। बेंगलूरु की 29 वर्षीय एक महिला की नृशंस हत्या में शामिल मुख्य संदिग्ध ने कथित तौर पर ओडिशा में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान मुक्तिरंजन प्रताप राय (31) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (मध्य) शेखर एच टेक्कनवार ने बेंगलूरु में बताया कि वह ओडिशा के भद्रक जिले के धुसुरी थाना क्षेत्र में पेड़ से लटका हुआ मृत मिला था।

संदिग्ध हत्यारे ने अपनी मौत से पहले लिखे नोट में इसकी जानकारी दी है। उसने यह क्रूर अपराध इसलिए किया क्योंकि वह महालक्ष्मी के व्यवहार से तंग आ चुका था। पुलिस ने पीड़िता महालक्ष्मी के सहकर्मी मुक्ति रंजन रॉय का लिखा सुसाइड नोट बरामद कर लिया है। इस नोट में उसने बेंगलूरु शहर को हिला देने वाले भयानक अपराध को कबूल किया है।

भद्रक के पुलिस अधीक्षक वरुण गुंटुपल्ली ने बताया कि आरोपी भुईनपुर गांव का रहने वाला था और पुलिस ने घटनास्थल से एक डायरी भी बरामद की है जिसमें राय ने कबूल किया है कि उसने महिला महालक्ष्मी की हत्या करने के बाद उसके शरीर के 50 से अधिक टुकड़े कर दिए थे। बेंगलूरु पुलिस ने बताया कि आरोपी मुक्तिरंजन प्रताप राय और महालक्ष्मी के बीच प्रेम संबंध था एवं महिला द्वारा कथित रूप से शादी डालने पर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था और इसलिए आरोपी ने उसकी हत्या की।

बेंगलूरु पुलिस के अनुसार, राय और महालक्ष्मी एक कपड़े की दुकान में काम करते थे और वहीं उनकी मुलाकात हुई जिसके बाद वे दोस्त बन गए। दोनों के बीच प्रेम संबंध था। बेंगलूरु पुलिस ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए बताया कि महालक्ष्मी कथित तौर पर उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इस वजह से उनके बीच लगातार बहस होती रही और फिर झगड़ा हो गया। जाहिर तौर पर इस बात से नाराज होकर आरोपी ने महालक्ष्मी की हत्या कर दी और बाद में उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। आरोपी कथित तौर पर बहुत ही गुस्सैल स्वभाव का था।

बेंगलूरु पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला की हत्या करने के बाद राय ने अपने छोटे भाई को फोन किया और उसे तुरंत किराए का घर खाली करने के लिए कहा लेकिन जब उसने इसका कारण पूछा तो राय ने अपने भाई से कहा कि वह उससे फोन पर बात नहीं कर सकता और घर पर मिलकर उसे सब बताएगा। उन्होंने बताया कि जब आरोपी के छोटे भाई से पूछताछ की गई तो उसने खुलासा किया कि महिला की हत्या कर जब राय घर आया तो उसने उसके (छोटे भाई के) सामने हत्या की बात कबूल की और कहा कि वह अब इस शहर में नहीं रह सकता इसलिए अपने पैतृक स्थान जा रहा है।

पुलिस अधिकारी ने बताया, तकनीकी विश्लेषण और कॉल रिकॉर्ड मदद से आरोपी की पहचान की गई। शुरुआत में उसका 'मोबाइल लोकेशन' पश्चिम बंगाल में पाया गया, लेकिन बाद में उसने उसे बंद कर दिया। हालांकि बाद में तकनीकी निगरानी से पता चला कि वह ओडिशा के एक गांव में है। उसे पकड़ने के लिए वहां टीम भेजी गई। उसने बचने के लिए ओडिशा में जगह बदल ली।

पुलिस मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मल्लेश्वरम इलाके की एक इमारत में 21 सितंबर को महालक्ष्मी की हत्या कर शव के 50 से अधिक टुकड़े कर दिये गये थे, जो एक फ्रिज से बरामद हुए थे। महालक्ष्मी की मां और बहन के शनिवार को उनके घर पहुंचने पर घटना की जानकारी मिली। इस महिला से अलग रह रहे उसके पति ने उसके एक परिचित व्यक्ति पर वारदात में शामिल होने का संदेह जताया था, जो उसके पड़ोस में अकेले रहता था। त्रिपुरा की रहने वाली महालक्ष्मी बेंगलूरु के एक मशहूर मॉल में काम करती थी। जिस इलाके में महालक्ष्मी पिछले पांच महीने से रह रही थी, वहां के लोगों के मुताबिक, वह अकेली रहती थी और अपने पड़ोसियों से ज्यादा घुलती-मिलती नहीं थी। कुछ दिनों तक उसका भाई उसके साथ रहा। पुलिस को यह भी पता चला है कि वह शादीशुदा थी और उसका एक बच्चा भी था, लेकिन वह अलग रहती थी।

राजस्थान को बनाएं तंबाकू मुक्त प्रदेश : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरुवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेशभर में टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 का शुभारम्भ किया। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू एवं नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। उन्होंने सभी से तम्बाकू की रोकथाम करने में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए और राजस्थान तम्बाकू मुक्त प्रदेश बनाने में सहयोग की अपील की। इस इस अवसर पर उन्होंने तंबाकू टोबैको फ्री यूथ कैंपेन के पोस्टर का भी विमोचन किया।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में युवा एक लीडर के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। आज का भारतीय युवा विश्व भर में हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को जीत सकता है। लेकिन उसे भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है। किशोर- किशोरियां फिल्में देखकर धूम्रपान को स्टेटस सिंबल मानने लगा है, यह सही नहीं है। युवाओं को तंबाकू की लत को छोड़ने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है और हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम इस अभियान के माध्यम से युवाओं को तंबाकू उपयोग न करने और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर तंबाकू मुक्त प्रदेश बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि प्रदेश में तंबाकू नियंत्रण एवं जनजागरूकता की दिशा में प्रभावी प्रयास निरंतर जारी हैं। तम्बाकू नियंत्रण एवं रोकथाम की दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर टोबेको कंट्रोल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत जन-जागरूकता के साथ तम्बाकू नियंत्रण के नियमों की प्राथमिकता से पालना करवाई जाएगी। मुझे विश्वास है कि सभी एकजुट होकर तम्बाकू मुक्त प्रदेश तथा आयुष्मान राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि तम्बाकू सेवन एवं नशीले पदार्थों के सेवन से कैंसर, अस्थमा, हृदय, रोग, टीबी आदि भयावह रोग होने की संभावना होती है। प्रतिवर्ष भारत में लगभग 13 लाख 50 हजार और इसी प्रकार राज्य में भी लगभग 200 लोगों की मृत्यु प्रतिदिन तम्बाकू जनित रोगों से हो जाती है। यह बेहद चिंता का विषय है। टोबेको उपयोग दर में कमी लाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि बड़ी संख्या में बच्चे एवं युवा तंबाकू की लत का शिकार हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा सम्पूर्ण भारत में टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि तंबाकू की लत से पीड़ित नवयुवकों को तम्बाकू विमुक्त एवं नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं व जनसहभागिता से सामूहिक प्रयासों को और बढ़ाया जाएगा।

मिशन निदेशक एनएचएम श्रीमती भारती दीक्षित ने टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के संबंध में जनजागृति, तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान, तंबाकू मुक्त ग्राम बनाने, तंबाकू नियंत्रण अधिनियमों की पालना एवं सोशल मीडिया द्वारा जागरूकता जैसी विभिन्न गतिविधियां प्रत्येक स्तर पर आयोजित की जाएगी उन्होंने बताया कि इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा एक डैशबोर्ड भी तैयार किया गया है, जिसके तहत इन गतिविधियों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी।

राजस्थान में मानसून की विदाई के बीच कुछ स्थानों पर वर्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून विदाई लेने लगा है और दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई प्रदेश के कई हिस्सों से हो गई और अब विदाई रेखा चूरू, अजमेर एवं माउंटआबू से होकर गुजर रही है वहीं इस बीच भरतपुर एवं बांसवाड़ा जिलों सहित कुछ अन्य जिलों में बरसात भी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी राजस्थान के कोटा एवं उदयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्के मध्यम दर्जे की बारिश की गतविधियां 30 सितंबर तक दर्ज होने की संभावना है तथा भरतपुर, जयपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में भी 27 से 29 सितंबर के दौरान मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इसी तरह दक्षिण पश्चिमी राजस्थान में 28 से 30 सितंबर के दौरान कहीं कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है जबकि पश्चिम राजस्थान के बीकानेर एवं जोधपुर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी तीन चार दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में भरतपुर जिले के अजान बांध पर 60 मिलीमीटर बरसात दर्ज की गई। इसी तरह भरतपुर में 21, बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ में 33 एवं सलोपत में 25, सलूंबर के झालरा में 29, झालावाड़ के मनोहरथाना में 21, राजसमंद में 23 मिलीमीटर बरसात रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा अलवर, धौलपुर एवं जयपुर ग्रामीण सहित कुछ अन्य जिलों के कुछ स्थानों पर भी हल्की बारिश हुई।

राजस्थान में गत एक जून से अब तक 656. 47 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है जो सामान्य वर्षा से 58.32 प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान प्रदेश के छोटे बड़े 691 बांधों में अब तक 399 बांध लबलबा हो चुके और 179 बांध आंशिक रुप से भर गए। हालांकि अब भी 113 बांध खाली है। अब तक 26 जिलों में असामान्य, 15 में सामान्य से अधिक और नौ जिलों में सामान्य बरसात हुई हैं और प्रदेश में किसी भी जिले में बरसात की कोई कमी नहीं रही है।

खेल प्रतिभाओं को मिल रहे देश में बेहतर अवसर : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। 68 वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी 14 वर्ष छात्र-छात्रा फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में कैबिनेट मंत्री युवा मामले और खेल, कौशल नियोजन एवं उद्यमिता, सैनिक कल्याण विभाग कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कर्नल राठौड़ ने खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को निखारने में शारीरिक शिक्षकों का अहम योगदान हैं। शारीरिक शिक्षक खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ जीवन के गुण सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खिलाडियों को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं मिल रहीं हैं। खेलो इंडिया कार्यक्रम में हर साल एक हजार खेल प्रतिभाओं का चयन किया जाता है जिन्हें आठ साल तक लगातार पांच लाख रूपये प्रतिवर्ष की सहायता राशि प्रदान की जाती है। वहीं टारगेट ओलम्पिक पोडियम के माध्यम से खिलाड़ियों को भारत सरकार अपने खर्च पर प्रशिक्षण, यात्रा, आवास इत्यादि सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार खेल प्रतिभाओं में निखार लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी 50 खिलाडियों को इस प्रकार की योजना से जोडने हेतु प्रयासरत है, साथ ही सरकार खेल अकादमियों को उत्कृष्ट बनाये जाने की दिशा में काम कर रही है। उन्हांने खिलाड़ियों को संघर्ष एवं कडे. परिश्रम की सीख दी। इससे पूर्व कैबिनेट मंत्री ने खिलाडियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। उन्होंने खेल ध्वज का आरोहण कर प्रतियोगिता के विधिवत शुभारम्भ की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई स्मारिका का विमोचन किया। उन्होंने अलग-अलग जिलों से आई फुटबॉल टीम से मार्च पास्ट की सलामी ली। उन्होंने किशोर छात्र-छात्राओं के प्रति उत्साह की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने अपने उद्बोदन में कहा कि राजस्थान सरकार आने वाले समय में ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट आयोजित कराने हेतु तैयारियां कर रही है। उन्होंने फुटबॉल को किक मारकर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वच्छता संदेश को पहुंचाने हेतु मौजूद सभी खिलाडियों एवं प्रबुद्धजनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी दाउदयाल शर्मा ने कार्यक्रम में शामिल अतिथियों को आभार उद्बोधन दिया। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, अतिरिक्त जिला कलक्टर धीरेन्द्र सिंह, उपखण्ड अधिकारी धौलपुर साधना शर्मा, पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, पूर्व विधायक सुखराम कोली, भाजपा नेता शिवचरन कुशवाह, भाजपा नेत्री नीरजा शर्मा सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

साथिनों के मानदेय का संवेदनशीलता से समय पर हो भुगतान : सोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने गुरूवार को विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित कर निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत साथिनों के मानदेय का संवेदनशीलता से समय पर भुगतान किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्तर पर न्यूनतम पेंडेंसी होनी चाहिए। कार्यों का समय पर निस्तारण नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने की विभागीय योजनाओं का वृहद स्तर पर और ग्रास रूट लेवल पर प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए।

महेन्द्र सोनी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अतिरिक्त निदेशक महिला अधिकारिता राजेश सिंह,श्रीमती नीतू राजेश्वर भारत भूषण व समस्त योजना प्रभारी तथा जिलों और निदेशालय के उपनिदेशक, सहायक निदेशक उपस्थिति रहे। महेन्द्र सोनी ने निर्देश दिए कि निदेशालय के कैलेंडर अनुसार गतिविधियों का आयोजन किया जाए। भारत सरकार के द्वारा दिए हुए बजट के अनुसार जनजागरूकता की नियमानुसार गतिविधियां तय समय पर आयोजित कर प्रगति से अवगत करवाएं। उन्होंने लंबित गतिविधियों का एक महीने में आयोजन कर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। शासन सचिव ने की परफॉरमेंस इंडिकेटर (केपीआई) में सम्मिलित योजनाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर झुंझुनूं, चूरू और जयपुर जिलें को सम्मानित किया। वहीं बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना में बेहतर प्रदर्शन के लिए डूंगरपुर को सम्मानित किया गया। शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने विभागीय मासिक समीक्षा बैठक में महिला सुरक्षा एवं सरंक्षण प्रकोष्ठ, महिला सुरक्षा केन्द्र व वन स्टॉप सेन्टर के प्रगति की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने उडान योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम शेड्यूल में सेनेटरी नैपकिन वितरण की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम शेडूयूल में ई-औषधि पोर्टल पर रिवर्स एन्ट्री की स्थिति पर चर्चा की।

उदयपुर में तेंदुए का आतंक, 5 साल की बच्ची को उठा ले गया जंगल

उदयपुर/दक्षिण भारत। उदयपुर में तेंदुए का आतंक लगातार जारी है। बुधवार को उदयपुर के गोगुंदा कस्बे के मजावद में एक 5 साल की बच्ची को तेंदुआ जंगल की तरफ खींच ले गया। गुरुवार सुबह जब गांव वाले जंगल की तरफ गए तो उन्हें बच्ची का क्षत विक्षत शव मिला। पिछले 10 दिनों में यह चौथी घटना है, जब तेंदुए ने इलाके में किसी का शिकार किया है। वन विभाग ने अब तक दो तेंदुओं को पकड़ा है। मामला बुधवार का है। शाम को तेंदुए ने एक पांच साल की बच्ची को पकड़ा और जंगल की तरफ उठा ले गया। इस दौरान गांव वालों ने बच्ची को खोजने की कोशिश की लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। गुरुवार को जंगल से बच्ची का शव मिला तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इससे पहले 18 सितंबर को तेंदुए ने एक 16 की लड़की को अपना शिकार बनाया था और उसकी जान ले ली थी। इसके अगले ही दिन एक और घटना सामने आई। इलाके में एक 50 वर्षीय महिला को जंगल उठा ले गया और उसको मौत के घाट उतार दिया। इसके अगले दिन तेंदुए ने एक और शिकार किया। 20 सितंबर को तेंदुए ने 40 साल की एक महिला को अपना शिकार बनाया और उसको मौत के घाट उतार दिया। इस तरह पिछले 10 दिनों में तेंदुए ने चार लोगों का शिकार कर चुका है।

उदयपुर में तेंदुए के आतंक को खत्म करने के लिए उसे पिंजरे में फंसाने के प्रयास शुरू किए गए। इस दौरान वन विभाग ने गोगुंदा के अलग-अलग इलाकों में पिंजरे लगाए। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि तेंदुआ उदयपुर के पहाड़ी इलाकों में अपना ठिकाना बनाया हुआ है। इस मामले में राजसमंद, उदयपुर और जोधपुर की वन विभाग की टीमें लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान दो तेंदुओं को पकड़ा गया है।

उपभोक्ता मामलों में जागृति से भारत का विकास संभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि उपभोक्ता मामलों में जागृति से भारत का विकास संभव है। उपभोक्ता के हितों का संरक्षण आवश्यक है। गोदारा आज इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा आयोजित राज्य-जिला आयोग में परिवाद प्रस्तुति की प्रक्रिया-पद्धति प्रशिक्षण की कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र क्रांति के रूप में आगे बढ़ रहे हैं, रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।

जो पहले कभी नहीं थे।उपभोक्ता जागरूक होगा तो विकसित राजस्थान होगा, विकसित देश होगा। उन्होंने बताया कि विभाग ने गैस सिलेंडर व मापतौल के अभियान चलाए गए थे। अब ये कार्य अभियान के रूप में नहीं होकर निरंतर जारी रहेंगे और विभाग द्वारा उपभोक्ता के हितों का सरंक्षण करने के साथ-साथ जागरूक भी किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता लायी जाय। इसके लिए उचित मूल्य की दुकानों पर उपभोक्ता हितों के संरक्षण तथा हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी जाय। सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित व्यक्ति को अवश्य लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में आये सुझावों पर अमल किया जाय, उनकी क्रियान्विति की जाय तब ही इसके उद्देश्य पूरे होंगे। कोई भी व्यक्ति बिना किसी भय के अपने अमूल्य सुझाव मुझे व्यक्तिगत रूप से दे सकता है।

न्यायाधिपति एवं राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार कच्छावाहा ने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ता है। उपभोक्ता मंच में विधि की मंशा के अनुरूप समय के अनुसार परिवाद प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उपभोक्ता अधिनियम जब से प्रभाव में आया है तब से लगभग 37 वर्षों से उपभोक्ताओं के संरक्षण की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब परिवादी जहाँ रहता है वहीं से परिवाद दायर कर सकता है। दो वर्ष में परिवाद प्रस्तुत करना आवश्यक है।परिवाद का जवाब पेश करने के लिए 30 दिवस नियत किये गए हैं। मिलावट के परिवादों में लगने वाले जुर्माने के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मिलावटी सामान के उपयोग से कोई बीमारी हो जाती है तो 5 लाख रुपये एवं मृत्यु हो जाने पर 17 लाख का जुर्माना लगाया जाता है।

बुद्ध विहार में शमशान में की गई तोड़फोड़ के खिलाफ रोष, लोगों ने किया जमकर प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। अलवर के नगर विकास न्यास की ओर से बुद्ध विहार कच्ची बस्ती की तरफ शमशान के टीनशेड को बुलडोजर से तोड़ने के विरोध में गुरुवार सुबह लोग शमशान घाट पहुंचे। नगर विकास न्यास के खिलाफ लोगों ने खुलकर इसका विरोध जताया। इसके बाद लोग जुलूस लेकर कलेक्टर को ज्ञापन देने गए। यहां स्थानीय लोगों ने बताया कि यह शमशान घाट करीब 150 साल पुराना है। बगल में सेना की जमीन भी है। सेना ने भी कुछ जमीन शमशान घाट के लिए छोड़ दी थी। अब यूआईटी शमशान की जमीन को बेचना चाहती है, जो किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस हरकत से जन मानस में भी गुस्सा है। सरकार व प्रशासन ने नहीं सुनी तो जनता रोड पर आ जाएगी। यूआईटी के दफ्तर को आग लगा देंगे। जिसके बाद आक्रोशित भीड़ द्वारा बुद्ध विहार से पहले वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा के निवास के बाहर करीब 10 मिनट तक नारेबाजी की गई। जिसमें पुलिस प्रसासन, नगर विकास न्यास और मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की गई, जिसके बाद आक्रोशित भीड़ अलवर कलेक्ट्रेट मिनी सचिवालय पहुंची। जहां जमकर हंगामा किया गया और नारेबाजी की गई।

मौजूदा लोगों में शामिल महिलाओं ने बताया कि यूआईटी गलत तरीके से जमीन का बेचान कर दिया और बिना कोई नोटिस दिए हमारे शमशान घाट को तोड़ दिया, जिसके साथ हमारी भावनाएं जुड़ी हुई थी। यही नहीं जब भी कोई छोटा बच्चा मर जाय तो उसको भी यही दफनाया जाता है और न्यास ने बच्चों को दफनाने की जगह को भी उखाड़ दिया, जिससे मरे हुए बच्चे भी बाहर आ गए। दान दातारों के सहयोग से शमशान में कुर्सी लगवाई गयी और टीन शेड लगवाई उनको तोड़ कर आ गये। अब अगर हमारे यहा कोई मर जाता है तो उसको कहां दफनाया जाएगा।

जब न्यास द्वारा इस प्रकार से अपनी मनमर्जी के चलते आज शमसान घाट को तोड़ा है, कल को मंदिर तोड़ा जायेगा।

एमनेस्टी योजना के दायरें में आने वाले बकायादारों से करें संपर्क : रविकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने विभागीय एमनेस्टी योजना के दायरे में आने वाले सभी बकायादारों को पत्र जारी करने के साथ ही उनसे सीधे संपर्क कर विभागीय बकाया व ब्याज माफी योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इससे बकाया वसूली के प्रकरणों का निस्तारण होगा, वहीं राज्य सरकार को अधिक राजस्व की प्राप्ति और बकाया वसूली में लगने वाले समय व धन की बचत होगी। उन्होंने स्थानीय स्तर पर ऐसा मंच बनाने पर भी जोर दिया जहां लीजधारकों और विभागीय अधिकारियों के बीच परस्पर समन्वय से खनिज गतिविधियों को और अधिक विस्तारित कर सकें।

प्रमुख शासन सचिव ने गुरुवार को आयोजित खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों की बैठक में कहा कि विभाग को स्थानीय स्तर पर ऐसा मैकेनिज्म विकसित करना होगा जिससे लीजधारकों की स्थानीय स्तर की समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके। इससे खोज, खनन कार्य में आ रही बाधाएं दूर होने के साथ ही खनन व राजस्व में बढ़ोतरी होगी, अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लग सकेगा। उन्होंने एमनेस्टी योजना के बारे में बकायादारों से वन टू वन संपर्क कर पुरानी बकाया वसूली के लिए समयबद्ध टाइमलाईन तय करने के भी निर्देश दिए।

रविकान्त ने खनिज पट्टों की नीलामी के बाद पट्टाधारकों के सामने आने वाली समस्याओं पर कहा कि इससे खनन गतिविधियां आरंभ होने में देरी होती हैं और अन्य ब्लॉकों की नीलामी में भी विपरीत असर पड़ता है। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित एसआईटी और माइनिंग कमेटी की मीटिंग से पहले इस तरह के बिन्दुओं को चिन्हित किया जाना चाहिए ताकि मीटिंग में इनका हल निकाला जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फील्ड में सतर्कता से अवैध खनन गतिविधियों सहित बहुत सी समस्याओं का आसानी से समाधान हो सकता है। उन्होंने विधान सभा प्रश्नों, विशेष उल्लेख, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों सहित विधान सभा से संबंधित लंबित प्रकरणों को शून्य स्तर पर लाने, मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव कार्यालय से प्राप्त पत्रों पर तय समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित कर उत्तर भिजवाने के निर्देश दिए।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विभाग द्वारा माइनिंग ब्लॉकों की नीलामी में तेजी लाने के साथ ही राजस्व वसूली के भी अच्छे प्रयास किये जा रहे हैं।

कांग्रेस, पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद का 'गोदाम' बना दिया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगढ़ (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर जम्मू कश्मीर को आतंकवाद के ''गोदाम'' में बदलने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाकर ''आतंकवाद की इस नर्सरी'' को स्थायी रूप से नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बना लेती है तो वह महाराजा हरि सिंह जैसे राज्य की स्थापना सुनिश्चित करेगी, जिसकी सीमाएं काबुल तक फैली हुई थीं। आदित्यनाथ ने सांबा जिले के रामगढ़ सीमा क्षेत्र में एक जनसभा में कहा, ''पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के गोदाम में बदल दिया था। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनुच्छेद 370 को खत्म करने के साथ ही आतंकवाद की नर्सरी हमेशा के लिए बंद हो गई।''

रामगढ़ और विजयपुर विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे पार्टी उम्मीदवारों देवेंद्र कुमार मन्याल और चंद्र प्रकाश गंगा के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे आदित्यनाथ ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने से जम्मू-कश्मीर में शांति, प्रगति और विकास आया है।

कांग्रेस पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, ''पार्टी ने हिंदुओं को कमजोर करने का पाप किया, जिसके परिणामस्वरूप जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पनपा।'' उन्होंने दावा किया कि केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान, जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ दलों के समर्थन से रोजाना आतंकवादी घटनाएं, पत्थरबाजी होती थी और कश्मीर ऐसी स्थिति का खामियाजा भुगत रहा था।

आदित्यनाथ ने कहा, ''यह किसी से छिपा नहीं है। यह उस दौर की सच्चाई थी।'' उन्होंने कहा कि लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के केंद्र में कार्यभार संभालने के बाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ''अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है'' और पत्थरबाजी पूरी तरह से बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि यह अब इतिहास बन चुका है। यह सिर्फ बदलाव नहीं है, बल्कि यह समाधान है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि भारत को 1947 में आजादी मिली, लेकिन कांग्रेस ने अयोध्या मुद्दे का समाधान नहीं होने दिया।

उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस नाम ही समस्याओं का पर्याय है, जबकि भाजपा नाम ही समाधान है। हर मुद्दे के नाम पर कांग्रेस कोई न कोई बहाना ढूंढ लेती है और वे हमेशा देश की जनता को मूर्ख बनाने के लिए इन बहानों का इस्तेमाल करते हैं।''

ओडिशा में भारी बारिश: पुरी में स्कूल बंद, कोणार्क मंदिर में जलभराव

भुवनेश्वर/भाषा। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के बाद ओडिशा में भारी बारिश के मद्देनजर पुरी जिला प्रशासन ने छात्रों की सुरक्षा के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में सभी विद्यालयों को बंद करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारियों के अनुसार, पुरी और पारादीप में बुधवार शाम 5.30 बजे से बृहस्पतिवार सुबह 8.30 बजे तक तीन-तीन सेमी बारिश हुई, जबकि भुवनेश्वर में दो सेमी बारिश हुई। उन्होंने बताया कि तटीय जिलों में लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पुरी के निकट कोणार्क सूर्य मंदिर में आने वाले लोगों को पानी भर जाने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय प्रशासन ने आगंतुकों की सुविधा के लिए मंदिर परिसर से पानी निकालने के लिए पंप लगाए हैं। आईएमडी ने बताया कि भुवनेश्वर और कटक सहित छह जिलों में बृहस्पतिवार को भारी बारिश जारी रहने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि पुरी, खुर्दा (भुवनेश्वर सहित), कटक (कटक शहर सहित), जगतसिंहपुर, जाजपुर और ढेंकनाल में भी भारी बारिश की आशंका है।

राजनाथ ने लोगों से झामुमो को झारखंड की सत्ता से बाहर करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धनबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने के बाद खुद को ''शहीद के तौर पर पेश करने'' के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बृहस्पतिवार को आलोचना की और जनता से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाने की अपील की।

सिंह ने यहां परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाने के बाद 'शहीद' बनकर घूम रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में जाना क्या कोई शहादत है?... ऐसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री झारखंड को विकास की ओर नहीं ले जा सकते।'' उन्होंने कहा, ''ऐसी ताकतों को बाहर का रास्ता दिखाएं और राज्य के अभूतपूर्व विकास के लिए भाजपा को लगातार दो कार्यकाल दें।'' सिंह ने वर्तमान सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए ''घुसपैठ और धर्मांतरण'' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया तथा इसकी तुलना भाजपा के उस वादे से की जिसमें उसने सत्ता में आने के तीन साल के भीतर सभी के लिए घर बनाने का वादा किया था। उन्होंने ''एक देश, एक चुनाव'' नीति की भी वकालत की और कहा कि इससे सरकारी खजाने में चार लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है, क्योंकि बार-बार चुनाव कराने से देश को लगभग सात लाख करोड़ रुपए का नुकसान होता है। सिंह ने विदेशों में भारत की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की और कहा कि भारत अब एक कमजोर देश नहीं है।

खाने-पीने की चीजों में थूकने और पेशाब मिलाने वालों के हाथ-पैर तोड़ देने चाहिये : पूर्व भाजपा विधायक

मुजफ्फरनगर/भाषा। मुजफ्फरनगर की खतौली सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक विक्रम सैनी ने खानेपीने की चीजों में थूक और मानव अपशिष्ट मिलाने वालों के 'हाथपैर तोड़ने' की वकालत करते हुए कहा कि ऐसे लोगों की वजह से हिंदू और मुसलमान दोनों का ही धर्म भ्रष्ट होता है। सैनी ने हाल ही में कुछ होटलों में रोटियों पर थूके जाने की घटनाओं के बारे में बुधवार को संवाददाताओं द्वारा पूछे गये सवाल पर कहा, ''हम भी वीडियो देख रहे हैं, आप भी देख रहे हैं। कोई थूक रहा है, कोई पेशाब डाल रहा है। उनके खिलाफ बहुत सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। लट्ठ बजाना चाहिए, हाथ पैर तोड़ देने चाहिए, जेल में डाल देना चाहिए क्योंकि यह ईमान भ्रष्ट कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''उस जूस को, जिसमें यूरिन डालते हैं या थूकते हैं उसको हिंदू भी पीते हैं, मुसलमान भी पीते हैं तो सभी का ईमान धर्म भ्रष्ट हो रहा है। ऐसे लोगों की जो तरफदारी कर रहा है वह गलत बात है।'' सैनी की यह टिप्पणी इस महीने की शुरुआत में गाजियाबाद जिले में दो लोगों द्वारा फलों के जूस में कथित तौर पर मूत्र मिलाने और सहारनपुर तथा बागपत में कथित तौर पर थूक लगाकर रोटी सेंकने के मामले सामने आने के बाद आयी है। पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस फैसले का स्वागत भी किया जिसमें उन्होंने होटल, ढाबों और रेस्त्रां पर दुकान मालिकों के लिए, उनकी इकाइयों में उनके नाम प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया है।

कांग्रेस शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गयी है : जे पी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दल कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उसे 'शहरी नक्सलियों का प्रवक्ता' बताया और उसपर देश में विभाजनकारी शक्तियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

बुद्धिजीवियों की एक बैठक में अपने संबोधन में नड्डा ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने की पैरोकारी करने वालों के साथ चले जाने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की और कहा, ''कांग्रेस राष्ट्रवाद भूल गयी है।'' ये बुद्धिजीवी भाजपा में शामिल हो गये हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह में नेतृत्व में हो सका।

नड्डा ने 'एक देश, दो निशाना, दो विधान और दो प्रधान' धारणा का विरोध करने वाले जनसंघ संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी और उसके (जनसंघ) की विचारधारा के प्रति भाजपा की कटिबद्धता प्रमुखता से सामने रखी। कांग्रेस के इतिहास के पन्ने पलटते हुए नड्डा ने कहा कि महात्मा गांधी ने एक बार आजादी के बाद पार्टी को भंग कर देने का सुझाव दिया था , लेकिन इस सुझाव की नेहरू ने अनदेखी की। उन्होंने वामपंथी दलों की भी आलोचना की और दावा किया कि उनमें दिशा का अभाव है तथा वे अक्सर केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में आपसी लड़ाई में लिप्त रहते हैं तथा दिल्ली में फोटो खिंचवाने के लिए एकजुट होते हैं।

महिला अधिकारों के मुद्दों का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने तीन तलाक प्रथा को समाप्त नहीं किया । उन्होंने कहा, '' वे मुस्लिम महिलाओं को मूल अधिकारों से वंचित कर रहे थे।''

प्रधान ने युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी दर को लेकर गैर-राजग शासित राज्यों पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए बृहस्पतिवार को गैर-राजग शासित राज्यों पर निशाना साधा और उन्हें 'अयोग्य' और 'खतरनाक' करार दिया।

जुलाई 2023 से जून 2024 तक के लिए आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए प्रधान ने विपक्षी दलों के नेतृत्व वाले राज्यों में रोजगार सृजन में विसंगतियों का जिक्र किया। सर्वेक्षण के अनुसार, वाम शासित केरल उन राज्यों में है जहां युवा बेरोजगारी की दर देश में सबसे ज़्यादा है। केरल में 15-29 साल की आयु वाले लोगों के बीच कुल बेरोजगारी दर 29.9 प्रतिशत है। इसमें लिंग असमानता भी चिंता का विषय है। राज्य में 47.1 प्रतिशत महिलाएं और 17.8 प्रतिशत पुरुषों के पास नौकरियां नहीं हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, ''युवाओं से उनका भविष्य छीना जा रहा है। खास तौर पर युवतियों का जिन्हें उनकी अपनी सरकारों ने ही छोड़ दिया है। ये राज्य अपने ही कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के बोझ तले दबे जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''विपक्ष खोखले वादों से वोट खरीदने और अपने राज्यों को अथाह कर्ज में धकेलने में लगा है। उनके युवा इसकी कीमत चुका रहे हैं...यह अक्षम्य विश्वासघात है। ये सरकारें न केवल अयोग्य हैं, बल्कि ख़तरनाक भी हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में शासन और आर्थिक प्रबंधन स्थिर बना हुआ है।

प्रधान ने कहा कि मध्यप्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में युवाओं के बीच बेरोजगारी दर नियंत्रण में है और मध्यप्रदेश में यह दर मात्र 2.6 प्रतिशत और गुजरात में 3.3 प्रतिशत है।

झारखंड में लोगों को धर्म, जाति के नाम पर भड़का रहे हैं भाजपा नेता: सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर ''राज्य के लोगों को जाति और धर्म के नाम पर भड़काने'' का आरोप लगाया। सोरेन ने दावा किया कि वर्तमान में राज्य में दिखाई देने वाले भाजपा नेता इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद दिखायी नहीं देंगे।

सोरेन रांची में एक सरकारी समारोह को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने राज्य के करीब 1.77 लाख किसानों के 400 करोड़ रुपए के कृषि ऋण माफ किए। इससे पहले सरकार ने करीब 4.73 लाख किसानों के 50,000 रुपए तक के कृषि ऋण माफ किए थे।

सोरेन ने कहा, ''इससे पहले सरकार ने 50,000 रुपए तक के कृषि ऋण माफ किए थे। फिर, इसने 2 लाख रुपए तक के कृषि ऋण माफ करने का फैसला किया।'' उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर ''20 साल से अधिक समय से झारखंड के 'जल, जंगल और जमीन' को बर्बाद करने'' का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता चुनाव नजदीक आने पर पूरे राज्य में ''घूम रहे हैं।''

सोरेन ने कहा, ''चुनाव नजदीक आने पर वे (भाजपा नेता) पूरे झारखंड में घूम रहे हैं। कई चेहरे, जिन्हें आपने पहले नहीं देखा होगा, अब दिखाई दे रहे हैं। वे केवल एक बार दिखायी देंगे और उसके बाद वे गायब हो जाएंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''वे सांप्रदायिक तनाव फैला रहे हैं और जाति और धर्म के नाम पर लोगों को भड़का रहे हैं। उनसे सावधान रहें।'' सोरेन ने आरोप लगाया कि ''केंद्र द्वारा तीन कृषि कानूनों के माध्यम से देश के किसानों को व्यापारियों को बेचने की तैयारी की गई थी।'' उन्होंने कहा, ''किसानों ने करीब एक साल तक कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन किया और सरकार को इन्हें वापस लेने के लिए मजबूर किया।''

आरजी कर विवाद के बीच दुर्गा पूजा आयोजकों ने महिला सुरक्षा का संदेश देने वाला विषय चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता में दुर्गा पूजा आयोजकों के एक वर्ग ने आरजी कर अस्पताल घटना को लेकर जारी प्रदर्शन के बीच महिला सुरक्षा के मुद्दे को उठाते हुए अपने मूल विषय में कुछ बदलाव किये हैं। दुर्गा पंडालों में भारी भीड़ उमड़ती है और इसका विषय कई महीने पहले ही तय कर लिया जाता है।

एक आयोजक ने जहां लोगों द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शनों की झलक दिखाने का निर्णय लिया है तो वहीं एक अन्य आयोजक ने जीवन रक्षक तकनीक के जरिये खुद को सुरक्षित रखने का संदेश फैलाने की योजना बनाई है।

एक आयोजक ने पंडाल के पास एक बड़ा बैनर लगाने का फैसला किया है, जिसमें नौ अगस्त को एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद हत्या की शिकार हुई एक महिला चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की जाएगी। इन सब चीजों को पूजा के मूल विषयों में जोड़ा गया है। पश्चिम बंगाल में हर साल कई पूजा आयोजक विषय चुनते हैं, जिनमें मुख्य रूप से सामाजिक मुद्दे और समसामयिक घटनाएं शामिल होती हैं। आयोजक इन विषयों को दर्शाने के लिए अपने पंडालों, मूर्तियों और अन्य व्यवस्थाओं का उपयोग करते हैं। मध्य कोलकाता में 'संतोष मित्रा स्क्वायर पूजा' के महासचिव सजल घोष ने कहा, योजना में थोड़ा बदलाव करते हुए हमारा गोलाकार पंडाल महिलाओं के साथ अन्याय के खिलाफ विरोध का प्रतीक होगा।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पंडाल से बाहर निकलते समय, 'वी वांट जस्टिस' के नारे गूंजेंगे, जो उत्सव और विरोध का मिश्रण होगा।

बारह दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' करके एक महिला से 30 लाख रुपए की ठगी की गयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा(उप्र)/भाषा। नोएडा में साइबर ठगों ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का कर्मचारी होने का दावा करते हुए एक महिला को धनशोधन में फंसाने झांसा देकर 30 लाख रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

साइबर अपराध थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि सेक्टर 77 की प्रियंका बंसल ने बीती रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दो सितंबर को एक नंबर से उनके पास फोन आया और फोन करने वाले ने खुद को ट्राई का कर्मचारी बताया। कुमार ने बताया कि फोनकर्ता ने प्रियंका के आधार कार्ड के माध्यम से एक मोबाइल फोन का सिम कार्ड ख़रीदे जाने और उस सिम कार्ड के जरिए धनशोधन किये जाने का दावा करते हुए कहा कि अब तक करोड़ों रुपए की हेरा फेरी हो चुकी है। थाना प्रभारी के मुताबिक उसके बाद कथित ट्राई कर्मचारियों ने वीडियो कॉल करके उस कॉल को लखनऊ के एक फर्जी थाने से जोड़ दिया। वीडियो में पुलिस की वर्दी में बैठे व्यक्ति ने कहा कि आपके मामले की जांच सीबीआई की तरफ से की जाएगी। फर्जी पुलिस अधिकारी ने कहा कि अगर किसी को बताया तो नोएडा पुलिस के माध्यम से आपके बेटे एवं अन्य को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इससे महिला डर गई और ठगों ने लगातार महिला से संपर्क बनाए रखा गया। ठगों ने 12 दिन बाद 14 सितंबर को आरटीजीएस के माध्यम से 30 लाख रुपए अलग-अलग खातों में अंतरण करवाया। इसके बाद महिला को ठगी का एहसास हुआ।

शिया वक्फ बोर्ड ने की आसिफी इमामबाड़े में अश्लील नृत्य के वायरल वीडियो की जांच की मांग

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी ने राजधानी लखनऊ के हुसैनाबाद स्थित बड़े इमामबाड़े के परिसर में अश्लील नृत्य की वीडियो और रील बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित किये जाने की कड़ी आलोचना करते हुए ''भावनाएं आहत'' करने वाली इन हरकतों की गहराई से जांच की मांग की है। जैदी ने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो प्रसारित हो रहे हैं जिनमें युवक और युवतियां बड़े इमामबाड़े (आसिफी इमामबाड़ा) के परिसर में अश्लील नृत्य करते दिख रहे हैं। ऐसे वीडियो थोड़े-थोड़े अंतराल पर वायरल हो रहे हैं। इस परिसर में इमामबाड़े के अलावा शाही आसिफ़ी मस्जिद भी स्थित है लिहाजा ऐसी पवित्र जगह पर ऐसे अश्लील नृत्य की वीडियो से पूरी दुनिया में शिया मुसलमानों की भावनाएं आहत हो रही हैं।

पंत शानदार खिलाड़ी हैं, काश वह ऑस्ट्रेलियाई होते : मार्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ऋषभ पंत की क्रिकेट में बेहतरीन वापसी से मिशेल मार्श इतने प्रभावित हुए कि इस ऑलराउंडर ने उन्हें 'शानदार खिलाड़ी' करार दिया और कहा कि काश वह ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते।

इस साल की शुरुआत में सीमित ओवरों के प्रारूप के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के बाद पंत ने हाल ही में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाकर लाल गेंद के प्रारूप में भी शानदार वापसी की।

वर्ष 2022 में हुई भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद पंत की वापसी के बारे में बात करते हुए मार्श भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज की सकारात्मकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और जीतने की भूख से प्रभावित थे। मार्श ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, ''वह एक शानदार खिलाड़ी है। काश वह ऑस्ट्रेलियाई होता। पिछले कुछ वर्षों में वह निश्चित रूप से बहुत कुछ झेल चुका है और यह एक शानदार वापसी रही है।'' उन्होंने कहा, ''वह एक सकारात्मक व्यक्ति है, अब भी बहुत युवा है और उसे जीतना बहुत पसंद है। वह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है, जिसका व्यक्तित्व शांत रहने वाला और हमेशा हंसने और मुस्कुराने वाला है। उसके पास वह बड़ी मुस्कान है।''

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली आगामी पांच टेस्ट मैचों की बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पंत के भारतीय बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा होने की उम्मीद है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली दो टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने 12 पारियों में 62.40 की औसत से 624 रन बनाए थे जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 159 रन रहा है।

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में ब्रिसबेन टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 89 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया को 32 साल में इस मैदान पर पहली बार टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा जबकि टीम इंडिया ने इस जीत की बदौलत श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

हिमाचल प्रदेश में भी योगी 'मॉडल' लागू किया जाना अच्छी बात है : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश में खानपान की दुकानों पर नेम प्लेट लगाने के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ''मॉडल'' को हिमाचल प्रदेश में भी अपनाए जाने का बृहस्पतिवार को स्वागत किया।

कौशांबी में पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रयागराज हवाई अड्डे पर उतरे पासवान ने हिमाचल प्रदेश में भी दुकानों पर नेम प्लेट लगाने संबंधी सवाल पर कहा, ''यह अच्छी बात है कि वे लोग (विपक्षी) भी हमारे मॉडल को लागू करें।'' उन्होंने कहा, ''अगर विपक्ष को लगता है कि हमारे निर्णय सही हैं और इसे लागू करना चाहिए तो इसका मैं स्वागत करता हूं। इस निर्णय को कड़ाई से लागू कराने के लिए मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दूंगा क्योंकि यह न केवल गुणवत्ता से जुड़ा है, बल्कि स्वच्छता और लोगों के विश्वास से भी जुड़ा है।'' भाजपा सांसद कंगना रनौत के हालिया विवादित बयान पर पासवान ने कहा, ''मैं मानता हूं कि आपकी अपनी सोच हो सकती है, लेकिन जब आप एक राजनीतिक दल के साथ जुड़ते हैं तो उस दल की बातों को सामने रखना आपकी जिम्मेदारी बनती है।'' उन्होंने कहा, ''अभी वह (कंगना) नई-नई राजनीति में आई हैं और उन्हें चीजों को समझने में थोड़ा समय लग रहा है। वह जल्द इन बातों को समझेंगी...व्यक्तिगत राय और पार्टी की राय अगर अलग है, तो आपके लिए प्राथमिकता पार्टी की राय की होती है। पार्टी की सोच के साथ चलना हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी होती है।''

सुविचार

तू भी थोड़ी अपने हिस्से
की सुबह से थोड़ी उमंग
ले ऊर्जा की नई किरण ले!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संवादहीनता हटाएं

बेंगलूरु में महालक्ष्मी नामक एक महिला की हत्या और उसके बाद शव के 50 से ज्यादा टुकड़े कर फ्रिज में रखने की घटना ने हर संवेदनशील इन्सान को अंदर तक हिला दिया। कोई व्यक्ति इतना क्रूर कैसे हो सकता है? खुद के नाखून के साथ थोड़ी-सी चमड़ी कट जाए तो बहुत दर्द होता है, लेकिन किसी की जान लेना और शव के टुकड़े-टुकड़े कर फ्रिज में रख देना ... यह तो बेदर्दी की पराकाष्ठा है, जिसकी कल्पना भी अत्यंत भयानक लगती है। जिस युवक पर महिला की हत्या का आरोप लगा, उसने भी कथित तौर पर आत्महत्या कर ली! इस हत्याकांड ने श्रद्धा वाल्कर मामले की यादें ताजा कर दीं, जिसमें आफताब पूनावाला पर आरोप लगा था कि उसने युवती की हत्या कर शव के टुकड़े किए और फ्रिज में रख दिए थे! बाद में उन्हें एक-एक कर जंगल में फेंक दिया! इतनी क्रूरता, इतनी निर्दयता ... वह भी उस हिंदुस्तान में जिसकी संस्कृति में चींटी तक के प्राणों की परवाह की गई है! जून 2023 में भी महाराष्ट्र में ठाणे जिले के फ्लैट में एक व्यक्ति द्वारा अपनी 'लिव-इन' पार्टनर की हत्या करने का मामला सामने आया था। आरोप है कि उस शख्स ने महिला की हत्या कर शव के टुकड़े किए, उन्हें प्रेशर कुकर में उबाला, मिक्सर में पीसा था। उसके बाद उन्हें शौचालय में बहा दिया था। किसी की हत्या कर शव को 'ठिकाने' लगाने के ऐसे विचार कहां से आते हैं? आफताब पूनावाला एक चर्चित ड्रामा क्राइम सीरीज देखा करता था। हत्याओं के ऐसे कई मामलों में देखा गया कि लोगों ने अपराध कथाओं से 'तौर-तरीके' सीखे थे। इन कथाओं का मकसद जनता को जागरूक करना होना चाहिए, लेकिन इन्हें जिस तरह पेश किया जाता है, उससे प्रभावित होकर कई लोग उसी तर्ज पर अपराध करते हैं।

हालांकि इसके लिए सिर्फ अपराध कथाओं, धारावाहिकों, सीरीजों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। प्राय: ऐसे मामलों की शुरुआत पारिवारिक संवादहीनता से होती है। लोग भावनाओं में बहकर 'प्रेम संबंधों' की ओर बढ़ जाते हैं। वास्तव में वह प्रेम नहीं, बल्कि दैहिक आकर्षण होता है, जिसमें लोग एक-दूसरे से बहुत ज्यादा उम्मीदें लगा लेते हैं। अभी उन्हें एक-दूसरे में सिर्फ खूबियां नजर आती हैं। समय के साथ यह आकर्षण कमजोर होने लगता है। तब खूबियों से ज्यादा खामियां दिखने लगती हैं। छोटी-छोटी बातें बड़े झगड़े का रूप ले लेती हैं। चूंकि ऐसे संबंध स्वेच्छा पर आधारित होते हैं, जिनमें अपने माता-पिता और परिजन को शामिल नहीं किया जाता। ऐसे में कोई समझाइश करने वाला भी नहीं होता। फिर जब किसी कारणवश बात बिगड़ती है तो क्षणिक आवेश में कुछ ऐसा हो जाता है, जिसे सुधारा नहीं जा सकता। तब पता चलता है कि यह तो बहुत गलत हो गया! अब क्या किया जाए? उस परिस्थिति में वह व्यक्ति ऐसे तौर-तरीके ढूंढ़ने की कोशिश करता है, जो उसे 'मुसीबत' से निकाल सकें। हालांकि अपराधी कितना ही शातिर क्यों न हो, अगर पुलिस सही तरीके से जांच करे और उसे पकड़ने के लिए ईमानदारी से कोशिश करे तो कड़ियां जुड़ती जाती हैं। ऐसे बहुत मामले हैं, जब पुलिस ने अपना कर्तव्य निभाया और अपराधी को दंड मिला। महालक्ष्मी हत्याकांड जैसे मामलों को बहुत गंभीरता से लेना होगा। ऐसे अपराधों की रोकथाम करना सिर्फ पुलिस का काम नहीं है। पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर संवाद होना चाहिए। आज जिस तरह से परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों में दरारें आ रही हैं, अकेलापन बढ़ता जा रहा है, मानसिक समस्याएं घर कर रही हैं ... उसके मद्देनज़र ऐसा मंच होना चाहिए, जहां लोग अपनी समस्याएं साझा करें तो उन्हें डांट-फटकार नहीं, बल्कि अपनत्व के साथ सही मार्गदर्शन मिले। अगर साधु-संत अपने प्रवचनों में ऐसे मुद्दे उठाएं तो समाज में सकारात्मक बदलाव जरूर आएगा।

ट्वीटर टॉक

विपक्ष जब सरकार में थी तब 10वर्ष तक इन्फ्लेशन डबल डिजिट से नीचे नहीं आया! और आज हमें महंगाई सिखा रहे हैं। दुनिया के सारे बड़े देशों की अर्थनीति बदतर स्थिति में है, सभी की विकासदर 5% से नीचे है। हमारी अर्थव्यवस्था 7% की दर से आगे बढ़ रही है।

-जेपी नड्डा

कैथल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री लीलाराम जी के समर्थन में आयोजित 'महिला सम्मेलन' को संबोधित किया। इस अवसर पर नारी शक्ति से अपील की, कि श्री लीलाराम जी को भारी मतों से विजयी बनाकर क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए सशक्त नेतृत्व को निरंतर बनाए रखें।

-दीया कुमारी

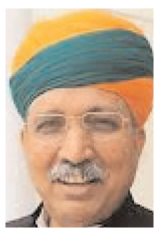

हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतर्गत आज बादशाहपुर विधानसभा में जनसंपर्क व कार्यकर्ताओं से बैठक करके अधिकाधिक मतदान करवाने तथा कमल का बटन दबाकर भारतीय जनता पार्टी को भारी मतों से विजय बनाने का आह्वान किया।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

अपमान से वरदान

बात उन दिनों की है जब पंडित जसराज लाहौर में कुमार गंधर्व के लिए राग भीमपलासी पर तबला बजा रहे थे। वहां पं. अमरनाथ (उस्ताद अमीर ख़ान, इंदौर घराना के शिष्य) ने कुमार गंधर्व की आलोचना की तो पं. जसराज ने कुमार गंधर्व का पक्ष लिया। इस पर अमरनाथ जी भड़क गये और कहा, 'जसराज! तुम चमड़ा पीटते हो, तबले तक सीमित रहो, तुमको राग के बारे में क्या मालूम?' अगले मंच पर उनको तबला लेकर नीचे बिठा दिया और गायकों को ऊपर। बस उसी दिन पं. जसराज ने प्रण लिया कि जब तक गायन नहीं सीख लेते, बाल नहीं कटवाएंगे। सात साल तक अपने बड़े भाई के साथ कठिन तपस्या के बाद जब नेपाल नरेश ने उनकी गायकी पर गद्गद होकर सौ सोने की मुहरें न्योछावर करके उनको प्रणाम किया, तब उन्होंने अपने बाल कटवा लिये। जसराज अपने हर साक्षात्कार में उस घटना को अपने गायन के लिए वरदान मानते रहे।

सामयिक

नमामि गंगे परियोजना को मिली वैश्विक पहचान

ई. प्रभात किशोर
मोबाइल : 8544128428

भारतवर्ष नदियों का देश है। देश के प्रमुख नगर इन नदियों के तटों पर हीं बसे हैं। ये नदियां राष्ट्र की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक समृद्धि की प्रतीक हैं तथा अधिसंख्यक जनसंख्या की जीवनरेखा है, जिस कारण मां की संज्ञा देते हुए इनकी वंदना की जाती है। भारतीय एवं सनातन संस्कृति में गंगा नदी का विशिष्ट महत्व है। गंगाजल को सदा से हीं अमृत कहा गया है। भारत की नदियां, विशेषकर गंगा नदी, अपने औषधीय गुणों से परिपूर्ण है तथा इनके जल में ऐसे बैक्टिरिया पाये जाते हैं, जो मानव के गंभीर संक्रमण के उपचार में एन्टी-बायोटिक से कहीं अधिक कारगर होते हैं। कालक्रम में जैसे-जैसे नदियों के किनारे नगर बसते गये, इन नदियों की चुनौतियां भी बढ़ती गयी। ये चुनौतियां गाद के कारण नदियों की कम हो रही गहराई के साथ-साथ इसकी स्वच्छता की रक्षा तक है। अपशिष्टों के सही निपटान नहीं होने के कारण गंगा, यमुना, साबरमती सहित सभी नदियां प्रदूषित हो चुकी हैं। नगरों के सिवरेज एवं मल-मूत्र बिना शुद्धिकरण किये सीधे नदियों में छोड़े जा रहे हैं। घरेलू कचरे, औद्योगिक कचरे, कृषि अपशिष्टों, कीटनाशक आदि के कारण नदियों में प्रदूषण अपने चरम सीमा पर पहुंच चुका है तथा नदी जल अब उपयोग योग्य नहीं रह गये है।

गंगोत्री से निकलकर 2525 किमी की दूरी तय करते हुए गंगा नदी गंगासागर में मिल जाती है। गंगा नदी घाटी के जल अधिग्रहण क्षेत्र का फैलाव लगभग 108600 वर्ग किमी में है, जिसमें भारत के साथ-साथ नेपाल, तिब्बत एवं बंगला देश के भूभाग भी सम्मिलित हैं। भारत में गंगा का जल अधिग्रहण क्षेत्र 861404 वर्ग किमी में फैला है, जो इसके कुल क्षेत्रफल का लगभग 26 प्रतिशत है। भारतीय संस्कृति में मोक्षदायिनी गंगा की महत्ता को ध्यान में रखते हुए जून 2014 में भारत सरकार के द्वारा नमामि गंगे नामक एकीकृत गंगा संरक्षण मिशन प्रारम्भ की गयी, जिसका मुख्य उद्देश्य है- गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त कर इसे पुनः जीवंत करना। इस मिशन की सफलता की दृष्टि से सिवरेज निपटान हेतु बुनियादी संरचनात्मक निर्माण, औद्योगिक प्रवाह की निगरानी, रिवर फ्रंट का विकास, नदी सतह की सफाई, जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण, गंगा ग्राम, जनजागरण आदि लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। इस परियोजना में 9 राज्य क्रमशः उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान एवं हिमाचल प्रदेश सम्मिलित हैं।

नमामि गंगे परियोजना में लक्ष्यों की संप्राप्ति हेतु निर्धारित गतिविधियों को तीन भागो में विभाजित किया गया है - प्रारम्भिक स्तर (तत्काल लागू करने हेतु), मध्यम अवधि (5 वर्ष के अंदर) एवं दीर्घ अवधि (10 वर्ष के अंदर) की गतिविधियां। प्रारम्भिक गतिविधियों में नदी की उपरी सतह की सफाई से लेकर बहते हुए ठोस कचरे की समस्या का निदान, ग्रामीण क्षेत्रों की नालियों में बहने वाले ठोस व तरल मैले पदार्थ की सफाई एवं शौचालय का निर्माण, अधजले शव को नदी में बहने से रोकने हेतु शवदाह गृह का नवीकरण, आधुनिकीकरण एवं निर्माण, नदी घाटों की मरम्मति, आधुनिकीकरण एवं निर्माण आदि। मध्यम अवधि की गतिविधियों में नगर निकाय से आनेवाले कचरे के निपटान हेतु ट्रीटमेंट क्षमता का निर्माण एवं औद्योगिक प्रदूषण को दूर करने हेतु उद्योगों को अपने गंदे पानी को समाप्त करने तथा इस हेतु रियल टाईम ऑनलाईन निगरानी केन्द्र स्थापित करना, जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण, एवं जल की गुणवत्ता की निगरानी का लक्ष्य निर्धारित है।

दीर्घ अवधि की गतिविधियों में ई-फ्लो का निर्माण, बेहतर जल उपयोग क्षमता एवं सतही सिंचाई क्षमता को बेहतर बनाकर नदी के सही प्रवाह को सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय के प्रतिवेदन के अनुसार 31 जनवरी 2022 तक कुल निर्धारित 160 में से 76 सिवरेज परियोजना, 90 में से 66 रिवर फ्रंट, नदी घाट व शवदाह गृह परियोजना, 5 में से 1 घाट एवं नदी की सतह की सफाई संबंधी परियोजना, 41 में से 26 वनीकरण एवं जैव विविधता संरक्षण परियोजना, 5 में से 3 समग्र पारिस्थितिकी कार्य बल एवं गंगा मित्र परियोजना, 25 में से 7 अनुसंधान एवं विकास, सार्वजनिक पहुंच एवं जिला गंगा समिति सहायता परियोजना तथा 8 में से 2 गंगा ज्ञान एवं निगरानी केन्द्र परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। वस्तुतः 8 वर्ष व्यतीत होने एवं कई हजार करोड़ व्यय होने के उपरान्त भी इस महत्वाकांक्षी योजना का नगण्य प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहा है। गंगा जल की गुणवत्ता जस की तस है। निर्माणाधीन संरचनाएं काफी घटिया स्तर की हैं तथा कार्य की कछुआ चाल से आम नागरिकों का दैनन्दिन जीवन प्रभावित हो रहा है। प्रशासनिक व्यवस्था में लालफीताशाही एवं निर्माण एजेंसियों के मनमानेपूर्ण रवैये से इस योजना की सफलता पर प्रश्न-चिन्ह खड़ा होना लाजिमी है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा मांट्रियल (कनाडा) में जैव विविधता पर आयोजित 15 वें शिखर सम्मेलन (कॉप 15) में नमामि गंगे परियोजना को विश्व की शीर्ष 10 पुनरूद्धार फ्लैगशीप पहलों में शामिल किया गया है। विश्व की शीर्ष 9 अन्य पहलों में ट्राई नेशनल अंटलांटिक फॉरेस्ट पैक्ट (ब्राजील, पैराग्वे एवं अर्जेन्टिना), अबु धाबी मैरिन रिस्टोरेशन, ग्रेट ग्रीन वॉल फॉर रिस्टोरेशन एण्ड पीस (अफ्रिका), मल्टी कन्ट्री माउन्टेन इनिशिएटिव (सर्बिया, किर्गिस्तान, युगान्डा एवं रवान्डा), स्मॉल आईलैंड डेवलपिंग स्टेट रिस्टोरेशन ड्राईव (बनियातु, सेंट लूसिया, कॉमरोस), एल्टीन डाला कंजर्वेशन इनिशिएटिव (कजाकिस्तान), सेन्ट्रल अमेरिकन ड्राई कॉरिडोर, बिल्डिंग विद नेचर (इंडोनेशिया), शान-शुई इनिशिएटिव (चीन) शामिल है। संयुक्त राष्ट्र संघ की मान्यता के उपरान्त विश्व भर में प्राकृतिक स्थलों के क्षरण की रोकथाम एवं पुनरूद्धार हेतु कटिबद्ध सभी चयनित पहलों को संयुक्त राष्ट्र की सहायता, वित्त पोषण एवं तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त होने की आशा है।

विशेष

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। विश्व पर्यटन दिवस 2024 की थीम पर्यटन और शांति है। इस थीम का उद्देश्य है कि पर्यटन समुदायों को बदल सकता है। रोजगार पैदा कर सकता है। समावेश को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है। देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई जा रही है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों

और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा धारी व्यक्तियों के पर्यटक सूचना केंद्रों, ट्रैवल एजेंसी, होटल समूहो, विभिन्न हवाई कंपनियों के कार्यालयों टूर ऑपरेटर कंपनियों पर्यटन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं, पर्यटक गाइड आदि में क्षेत्रों में काम करने का मौका अपेक्षाकृत आसानी से मिल सकता है। इस क्षेत्र में महिला कर्मियों की मांग भी तेजी से बढ़ने की पूरी संभावना है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा डिग्री धारी महिलाओं को विशेष रूप से उन पदों पर नियुक्ति के समय वरीयता दी जाती है जहां स्वागत करना या सूचना उपलब्ध कराने जैसे काम होते हैं। इसके पीछे तर्क दिया जाता है कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कहीं अधिक सौम्य व मृदुभाषी होती है। वे नवागंतुक पर्यटक को आसानी से बातें समझा सकती है। टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करने के अवसर इस क्षेत्र में संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक कहे जा सकते हैं। कुछ वर्षों तक पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का अनुभव हासिल करने के बाद पर्यटन प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के पर्यटन शिक्षा में अध्यापन भी किया जा सकता है। देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दो वर्ष की अवधि वाले इन पाठ्यक्रमों में दाखिला पाने की मारामारी को देखते हुए लगभग प्रत्येक संस्थान प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला देता है। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। असल में पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास दो चार बस या कार हो। आप ट्रैवल एजेंट के तौर पर बुकिंग कर अन्य बस आपरेटरों से बस किराए पर लेकर भी टूर आयोजित करवा सकते हैं और अच्छा खासा कमीशन कमा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है।

अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है। आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है। भारत में यह अभी भी 6.23 प्रतिशत ही है। जबकि पड़ोसी देशों चीन (8.6), इण्डोनेशिया (9.2), मलेशिया (12.9), श्रीलंका (8.8) तथा थाइलैण्ड (13.9) है जो हमसे बहुत अधिक है। वर्तमान में भारत वैश्विक यात्रा व पर्यटन विकास सूचकांक-2024 में 15 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021 में भारत 54 वें पायदान पर था। सूचकांक में अमेरिका पहले, स्पेन दूसरे, जापान तीसरे, फ्रांस चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर है। वहीं, जर्मनी छठे, यूनाइटेड किंगडम सातवें, चीन आठवें और इटली नौवें स्थान पर काबिज हैं।

नजरिया

संस्कारों और प्रगतिशीलता का संतुलन ही जीवन की सफलता

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

मनुष्य को मानव जीवन बड़ी मुश्किल से मिलता है और मानव जीवन अमूल्य है। मनुष्य जीवन ही ऐसा है जिसमें मस्तिष्क, सोचने की क्षमता होती है और हंसने मुस्कुराने का विशिष्ट गुण होता है और यही गुण मनुष्य को पशु पक्षी और जानवर से पृथक करता है। मानव जीवन नाटकीय परिस्थितियों से भरा पड़ा है। जिंदगी जीने के कई दृष्टिकोण मनुष्य के सामने होते हैं कई व्यक्ति आर्थिक सफलता को जीवन में सर्वोच्च स्थान देता है, कोई समाज सेवा को और कोई सामाजिक सम्मान का अति लोभी भी हो जाता है ,कोई व्यक्ति राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचना चाहता है। यह सभी मनुष्य के जीवन जीने के अलग अलग तरीके हो सकते हैं अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक साधन एवं तरीके अपनाए जाएं यह एक यक्ष प्रश्न की तरह मनुष्य के सामने खड़ा होता है। मनुष्य का हमेशा जिंदगी जीने के लिए एक ललक और प्यास रखने की आवश्यकता होती है जीवन को यह अंतिम जीवन हैं कहकर जीने की आवश्यकता होती है एवं इसे निश्चित धैर्य में बांधकर जीवन जीने की बजाए प्रयोग के साथ नवीनता और परिवर्तनशीलता लबालब रखना चाहिए मगर शर्त यह है कि यह मनुष्य के जीने का तरीका सामाजिक नियमों या परिपाटी का खुला उल्लंघन ना हो। खुले जीने के तरीके मनुष्य को आत्म संतुष्टि प्राप्त नहीं होती है। जीवन जीने का तरीका एक यह भी है की विपरीत परिस्थितियों से डटकर मुकाबला कर उसे सहज स्वीकारना चाहिए।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में जहां पूरी दुनिया एक वैश्विक ग्राम बनकर रह गई है वहां जीवन नाटकीय ता से परिपूर्ण हो सकता है क्योंकि मनुष्य का आज का जीवन विश्व की तमाम क्रिया प्रतिक्रिया एवं घटनाओं से काफी हद तक प्रभावित होता रहा है भले ही उससे समक्ष या परोक्ष रूप से मनुष्य जुड़ा हुआ हो या न हो। हाल की घटनाओं में ले लीजिए रूस यूक्रेन और इजराइल फिलिस्तीन युद्ध से पूरा विश्व जनमत प्रभावित हुआ है एवं वैश्विक महंगाई में भी इजाफा हुआ है क्योंकि विश्व के तेल आयातक देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए। मनुष्य के निजी जीवन में कई घटनाएं, दुर्घटनाएं आकस्मिक सामने आ जाती हैं तो ऐसे में मनुष्य को बिना हिचकिचाहट दर्शाए उन परिस्थितियों से रूबरू होकर उसका सामना संयम, मनोबल तथा पूरी शक्ति से करना चाहिए ऐसे में निश्चित तौर पर मनुष्य को विषम परिस्थितियों में सफलता प्राप्त होती है। क्योंकि मनुष्य को श्रम करने की आदत हो तो जीवन के अनेक पहलुओं को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है।

जीवन के अनेक दृष्टिकोण से परिस्थितियों को गुणवत्ता के आधार पर स्वीकार तथा आज स्वीकार करते हुए निरंतर अग्रसर होते रहना चाहिए और कठिन श्रम निरंतर मेहनत पर मनुष्य को भरपूर भरोसा होना चाहिए। क्योंकि कर्म पर भरोसा रखने से और इस प्रक्रिया से भविष्य के परिणाम बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं जीवन को सकारात्मक विचारों के साथ निरंतर आगे बढ़ाकर परिस्थितियों का दास नहीं उस पर नियंत्रण करता होना चाहिए, तब जाकर मनुष्य अपने लक्ष्य को सफलता के रूप में प्राप्त कर सकता है। मनुष्य को केवल जीवन जीना ही नहीं है उसे उस जीवन को सफल और सफलता के चरमोत्कर्ष तक पहुंचाना होता है। साधारण जिंदगी जिए और मृत्यु को प्राप्त हो गए ऐसा जीवन तो जानवर पशु पक्षी भी जीते हैं यदि आपको मनुष्य योनि में जन्म मिला है तो इसे सार्थक करने के लिए आपको अनथक प्रयत्न कर इस लोक जगत और मानव सभ्यता के लिए परोपकार की भावना भी आपके व्यक्तित्व में समाहित करना होगा।

मनुष्य इस बात को जितने जल्दी समझ जाए कि उसका जीवन केवल उसके लिए नहीं है बल्कि संपूर्ण मानव जगत और इस भव संसार की भलाई के लिए भी है तब ही उसका जीवन सार्थक एवं सफल हो सकता है। साहस मनोबल और श्रम की परिणति ही परिवर्तन लाती है और परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन से व्यक्ति समाज देश और संपूर्ण विश्व में खुशहाली लाती है। जीवन जीने का आशय जीवन में आकस्मिकता, परिवर्तनशीलता और निरंतर परिस्थितियों में सुधार लाने का प्रयास ही होना चाहिए, मनुष्य को निरंतर जीवन में परिवर्तन तथा नवाचार के लिए प्रयासरत रहना होगा तभी उसके जीवन का मूल उद्देश्य सार्थक एवं सफल हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कुछ दृश्य हटाए जाने के बाद फिल्म 'इमरजेंसी' को प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है : सेंसर बोर्ड

मुंबई/भाषा

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय से कहा कि कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' से कुछ दृश्य हटाए जाने के बाद फिल्म को प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है जैसा की बोर्ड की पुनरीक्षण समिति ने सिफारिश की है।

फिल्म पहले छह सितंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन फिल्म की रिलीज के लिए प्रमाण पत्र जारी नहीं करने के कारण इसका सेंसर बोर्ड के साथ विवाद चल रहा है।

रनौत ने फिल्म का निर्देशन किया है और वह इसकी सह-निर्माता भी हैं। उन्होंने फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मुख्य भूमिका भी निभाई है। अभिनेत्री ने सीबीएफसी पर रिलीज में देरी के लिए प्रमाण पत्र जारी नहीं करने का आरोप लगाया है। जीवनी आधारित यह फिल्म तब विवादों में आ गई जब शिरोमणि अकाली दल (शिअद) समेत कुछ सिख संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई और समुदाय को गलत तरीके से पेश करने तथा ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर दिखाने का आरोप लगाया।

न्यायमूर्ति बी. पी. कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला ने पिछले सप्ताह फिल्म का प्रमाण पत्र जारी करने पर निर्णय नहीं ले पाने के कारण सीबीएफसी को फटकार लगाई थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि सेंसर बोर्ड ऐसे चुपचाप बैठा नहीं रह सकता और उसे किसी न किसी तरह से अपना निर्णय लेना ही होगा अन्यथा यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के समान होगा। अदालत ने सीबीएफसी को 25 सितंबर तक अपना निर्णय लेने का निर्देश दिया। फिल्म के सह-निर्माता जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सीबीएफसी को कंगना रनौत द्वारा निर्देशित फिल्म 'इमरजेंसी' के लिए प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

पीठ ने बृहस्पतिवार को सीबीएफसी से पूछा कि क्या फिल्म को लेकर ''अच्छी खबर'' है।

सीबीएफसी की ओर से पेश हुए वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने अदालत को बताया कि बोर्ड की पुनरीक्षण समिति ने अपना फैसला ले लिया है। उन्होंने कहा, ''समिति ने प्रमाण पत्र जारी करने से पहले कुछ दृश्यों को हटाने का सुझाव दिया है। इसके बाद फिल्म को रिलीज किया जा सकता है।''

जी एंटरटेनमेंट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील शरण जगतियानी ने इस बारे में फैसला करने के लिए समय देने का अनुरोध किया कि फिल्म से दृश्यों को हटाया जाए या नहीं।

पीठ ने इसके बाद मामले में अगली सुनवाई के लिए 30 सितंबर की तारीख तय की।

जी एंटरटेनमेंट ने अपनी याचिका में दावा किया कि सीबीएफसी पहले ही फिल्म को प्रमाण पत्र दे चुका है लेकिन वह इसे जारी नहीं कर रहा है।

पिछले सप्ताह जी एंटरटेनमेंट ने आरोप लगाया था कि राजनीतिक कारणों और हरियाणा में आगामी चुनाव के मद्देनजर फिल्म को प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा है।

भारत के साथ 'कुछ सहमति' बनी है : चीनी रक्षा मंत्रालय

बीजिंग/भाषा। चीन और भारत पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को समाप्त करने के लिए ''मतभेदों को कम करने'' तथा टकराव वाले स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाने पर ''कुछ आम सहमति'' बनाने में सक्षम होने के साथ ही दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं। चीनी रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग जियाओगांग ने कहा कि दोनों नेताओं के मार्गदर्शन में चीन और भारत ने राजनयिक एवं सैन्य चैनलों के माध्यम से एक-दूसरे के साथ संपर्क बनाए रखा है।

झांग ने कहा कि बातचीत के माध्यम से चीन और भारत दोनों ''अपने मतभेदों को कम करने तथा एक-दूसरे की वैध चिंताओं को समायोजित करने के लिए बातचीत को मजबूत करने पर सहमत होने के अलावा कुछ आम सहमति बनाने में सक्षम हुए।'' उन्होंने कहा, ''दोनों पक्ष जल्द से जल्द किसी ऐसे समाधान पर पहुंचने पर सहमत हुए जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हो।''

वह पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक लंबे सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के लिए शेष टकराव बिंदुओं विशेष रूप से डेमचोक और देपसांग से सैनिकों को हटाने पर दोनों देशों के बीच बातचीत पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। गतिरोध के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच संबंधों में ठहराव आ गया था। झांग ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बैठक के साथ-साथ रूस में ब्रिक्स बैठक के इतर वांग और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच हुई हालिया मुलाकात का जिक्र किया।

अभ्यास

अहमदाबाद में नवरात्रि उत्सव से पहले गुजरात के पारंपरिक नृत्य गरबा के अभ्यास के दौरान पारंपरिक पोशाक में कलाकार फोटो खिंचवाते हुए।

आरएसएस 'चूहा' नहीं, बल्कि 'हिंदू शेर' है : भाजपा ने झारखंड के मुख्यमंत्री पर पलटवार किया

रांची/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) 'चूहा' नहीं, बल्कि 'हिंदू शेर' है। पार्टी ने यह टिप्पणी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर पलटवार करते हुए की और उन पर राजनीतिक लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने बुधवार को आरएसएस की तुलना ''चूहों'' से की थी और भाजपा तथा आरएसएस दोनों पर वोट हासिल करने के लिए राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया था।

झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हेमंत सोरेन ने आरएसएस की तुलना चूहों से की। यह उन 'हिंदू शेरों' का अपमान है जो सनातन धर्म के गौरव को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। सोरेन जॉर्ज सोरोस की तर्ज पर काम कर रहे हैं। क्षुद्र राजनीतिक लाभ के लिए वह (सोरेन) बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं।''

भाजपा आरोप लगाती रही है कि हंगरी में जन्मा अमेरिकी अरबपति सोरोस भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को निशाना बना रहा है, ताकि उसके द्वारा चुने गए लोगों को सरकार चलाने का मौका मिल सके।

झारखंड में जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होने की सोरेन की टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए बाउरी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री केवल अपने और अपने परिवार तथा उनके कल्याण के बारे में चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ''जिस स्थान भोगनाडीह से उन्होंने कहा कि कोई जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं हुआ है, वह 1855 के संथाल विद्रोह का मुख्य केंद्र रहा है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वहां 40,000 में से केवल सात संथाल परिवार कैसे रह गए। अगर कोई जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं हुआ तो वे कहां गायब हो गए?''

तीस जून, 1855 को बड़ी संख्या में संथाल भोगनाडीह के एक मैदान में एकत्र हुए थे और खुद को स्वतंत्र घोषित कर दिया था। उन्होंने सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में ब्रिटिश शासकों तथा उनके एजेंटों के खिलाफ आखिरी दम तक लड़ने की शपथ ली थी।

सोरेन ने विशेष रूप से असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की ओर इशारा करते हुए साहिबगंज के भोगनाडीह में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया था कि भाजपा हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच कलह पैदा कर रही है।

अनन्या पांडेय की फिल्म 'सीटीआरएल' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडेय की आने वाली फिल्म सीटीआरएल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अनन्या पांडे ,फिल्म सीटीआरएल की झकझोर देने वाली कहानी में एक ऐसी लड़की के किरदार में नजर आएंगी, जो सुलझी हुई है, तो उसमें कुछ उलझन भी है। इस फिल्म में उनके साथ विहान सामत भी लीड रोल में हैं, जो उनके ब्वॉयफ्रेंड बने हैं। ट्रेलर की शुरुआत में स्क्रीन पर सीटीआरएल एप को टाइप करते दिखाया गया है। इसके साथ निर्देश दिए गए हैं, 'अपने जीवन को कंट्रोल करें, अकाउंट बनाएं'।

अनन्या पांडे इस एप पर जाती हैं तो एआई पूछता है, 'क्या आप जानता हैं कि मैं आपकी सेवा में क्या कुछ कर सकता हूं?' अनन्या पांडे अपनी जिंदगी के किसी बुरे दौर में हैं और रोते हुए कहती हैं, 'मेरे जीवन का कंट्रोल ले लो'। इसके बाद अनन्या की एआई वर्जन नेला एकदम हंसते-मुस्कुराते और नाचते हुए हाजिर होती है। इसके बाद जो होता है, काफी दिलचस्प और हैरान करने वाला है।

नेटफ्लिक्स इंडिया के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा कर ट्रेलर रिलीज की जानकारी दी गई है। इसके साथ लिखा है, 'अपने जीवन को कंट्रोल करिए'।

निखिल द्विवेदी और आर्य मेनोन द्वारा निर्मित तथा विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा लिखित एवं निर्देशित फिल्म सीटीआरएल 04 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

नीतू चंद्रा की फिल्म 'करीयट्टी' का पहला लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने अपनी आने वाली फिल्म 'करीयट्टी' का पहला लुक जारी कर दिया है नीतू चंद्रा बतौर फिल्म 'करीयट्टी' का निर्माण कर रही हैं। सरोज सिंह की एक लघु कहानी पर आधारित 'करीयट्टी', त्वचा के रंग के आधार पर भेदभाव और कन्या भ्रूण हत्या सहित गंभीर सामाजिक मुद्दों को संबोधित करती है, जबकि कन्या भ्रूण हत्या पर केंद्रित एक कथा बुनती है। इस फिल्म में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से स्नातक अन्नू प्रिया और दीपक सिंह मुख्य भूमिका में हैं। नीतू चंद्रा ने बताया फिल्म करियट्टी दबावपूर्ण सामाजिक मुद्दों को उजागर करने, बदलाव को प्रेरित करने और भेदभाव और लैंगिक समानता के बारे में बातचीत को बढ़ावा देने का प्रयास करती है।मेरा लक्ष्य बिहार की भाषाओं में फिल्मों को आगे बढ़ाना और उन्हें वैश्विक दर्शकों से परिचित कराना है। मेरा क्षेत्र विविध भाषाओं में समृद्ध है, और मैं उनके महत्व को प्रदर्शित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं कि उन्हें वह पहचान मिले जिसके वे हकदार हैं।

इस फिल्म के निर्देशक नितिन नीरा चंद्रा ने भी साझा किया कि दर्शक फिल्म से क्या उम्मीद कर सकते हैं। नितिन ने कहा, मेरा उद्देश्य आकर्षक कहानियों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को उजागर करना है, जो न केवल दर्शकों को आकर्षित करती हैं, बल्कि सार्थक बातचीत को भी जन्म देती हैं। मेरा मानना ्झ्है कि करियत्ती जैसी फिल्म में महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों को भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाले तरीके से संबोधित करने की शक्ति है, जो दर्शकों को इन महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने और चर्चा करने के लिए प्रेरित करती है। करीयट्टी अगले साल की शुरुआत में रिलीज़ होने वाली है। इस बीच, नीतू चंद्रा वर्तमान में अपने संगीत शो उमराव जान के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्हें आखिरी बार सोनी मोशन पिक्चर्स की फ्रेंचाइज़ी नेवर बैक डाउन रिवोल्ट में देखा गया था।

सलमान खान ने सिकंदर का फर्स्ट लुक किया शेयर

मुंबई/एजेन्सी

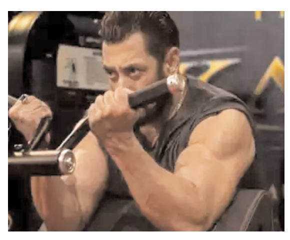

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है। नाडियाडवाला ग्रेंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला फिल्म सिकंदर बना रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'गजनी' फेम निर्देशक ए.आर. मुरुगादॉस कर रहे हैं। फिल्म सिकंदर में सलमान खान, रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल की मुख्य भूमिका है। इस बीच सोशल मीडिया पर सलमान खान की एक लेटेस्ट तस्वीर सामने आई है जिसमें वह जिम में पसीना बहाते दिख रहे हैं और उनके पीछे दीवार पर सिकंदर का नाम लगा हुआ नजर आ रहा है।सलमान खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट फोटो को शेयर किया है। जिसमें वह जिम में प्री चेयर बाइसेप्स कर्ल की एक्सरसाइज करते नजर आ रहे हैं। 'सिकंदर' अगले साल ईद 2025 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'भूल भुलैया 3' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3 का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' जल्द ही प्रदर्शित होने जा रही है।कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 सुपरहिट साबित हुई थी इसके बाद भूल भुलैया 3 को लेकर भी काफी बज बना हुआ है। कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर फिल्म भूल भुलैया 3 के नए पोस्टर की झलक शेयर की है।उन्होंने इंस्टाग्राम पर जो पोस्टर शेयर किया है उसमें एक बड़ा सा दरवाजा नजर आ रहा है और उस पर ताला लगा हुआ है। कार्तिक ने इसके साथ ही मजेदार कैप्शन भी दिया है। कार्तिक ने पोस्ट के साथ लिखा है कि, 'दरवाजा खुलेगा इस दिवाली भूल भुलैया 3। फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन के साथ तृप्ति डिमरी और विद्या बालन भी अहम रोल में हैं। इस फिल्म को टी-सीरीज फिल्म्स और सिने 1 स्टूडियो ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि इसे अनीस बज्मी ने निर्देशित किया है। यह फिल्म दीवाली के अवसर पर 01 नवंबर को रिलीज होगी।

मराठी ओरिजिनल सीरीज 'मानवत मर्डर्स' में नजर आयेंगी सोनाली कुलकर्णी

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी सोनी लिव के आगामी मराठी ओरिजिनल सीरीज 'मानवत मर्डर्स' में नजर आयेंगी। सोनाली कुलकर्णी मराठी ओरिजिनल सीरीज 'मानवत मर्डर्स' में नजर आने वाली हैं। इस शो में शामिल होने पर वह बहुत ही खुश और उत्साहित हैं। यह रोमांचक कहानी 1970 के दशक के महाराष्ट्र के एक चर्चित अपराध पर आधारित है। इसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं सहित कई बड़े कलाकार अपने अभिनय का जादू बिखेरेंगे। रुक्मिणी के रूप में सोनाली एक ऐसे किरदार को जीवंत कर रही हैं, जो अधूरी इच्छाओं से प्रेरित होकर अपने लक्ष्यों को पाने के लिए असाधारण और कभी-कभी अजीब तरीके अपनाती है। अपने इस सफर को याद करते हुए सोनाली ने कहा,जब मुझे यह भूमिका ऑफर हुई और मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं इसकी भावनात्मक गहराई और इंसानी दिमाग की जटिलता से तुरंत प्रभावित हो गई। इस किरदार को निभाना मुझे एक बड़ी जिम्मेदारी जैसा महसूस हुआ, और मैंने रुक्मिणी को पूरे जुनून के साथ जीने की कोशिश की।

सोनाली ने प्रतिभाशाली निर्देशक आशीष बेंडे और अपने सह-कलाकारों जिनमें आशुतोष गोवारिकर, साईं तमहानकर और मकरंद अनासपुरे शामिल हैं, के साथ जुड़ने पर अपनी खुशी का इज़हार किया।

उन्होंने कहा, 'उन सभी में अद्भुत कौशल है और उनका नजरिया बड़ा ही रचनात्मक है। यह एक बेहतरीन टीम है और इससे मेरे किरदार में और भी रंग भर गए हैं। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक इस प्रभावशाली कहानी पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। स्टोरीटेलर्स नुक (महेश कोठारे और आदिनाथ कोठारे) द्वारा निर्मित और गिरीश जोशी द्वारा रचित ''मानवत मर्डर्स'' का निर्देशन आशीष बेंडे ने किया है। रमाकांत एस. कुलकर्णी की आत्मकथा ''फुटप्रिंट्स ऑन द सैण्ड ऑफ क्राइम'' पर आधारित इस शो में आशुतोष गोवारिकर, मकरंद अनासपुरे, सोनाली कुलकर्णी और साई तमहानकर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। मानवत मर्डर्स, 04 अक्टूबर से सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

'हाउसफुल 5 के स्टार कास्ट की झलक'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 के स्टार कास्ट की झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'हाउसफुल' का पांचवा संस्करण बना रहे हैं। तरूण मनसुखानी के निर्देशन में बन रही फिल्म हाउसफुल 5 की झलक अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर शेयर की है। अक्षय ने इंस्टाग्राम पर अपने सह-कलाकारों जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन और डिनो मोरिया को दिखाया है। अक्षय कुमार ,डिनो मोरिया,रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन कैजुअल लुक में दिखे, वहीं जैकलीन फर्नांडीस ने ऑल-ब्लैक आउटफिट में जलवा बिखेरा। अक्षय ने तस्वीर के साथ लिखा, इस अविश्वसनीय कलाकारों के साथ बस एक और दिन। अभिनेताओं से भरा हाउसफुल, एक क्रूज और बताने के लिए अंतहीन कहानियाँ! हाउसफुल 5, 6 जून 2025 को रिलीज होने वाली है।

अदा शर्मा ने 'रीता सान्याल' में निभाया वकील का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा ने डिज़्नी+ हॉटस्टार की नई सीरीज़ 'रीता सान्याल' में वकील का किरदार निभाया है शो 'रीता सान्याल', को राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर ने कीलाइट प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है और इसके निर्देशक अभिरूप घोष हैं। यह सीरीज प्रसिद्ध लेखक अमित खान द्वारा रचित किरदार पर आधारित है। 'रीता सान्याल' 14 अक्टूबर, 2024 से केवल डिज़्नी+ हॉटस्टार पर मोबाइल पर फ्री में स्ट्रीम होगी। राजेश्वर नायर, निर्माता और सह-संस्थापक, कीलाइट प्रोडक्शंस ने कहा, रीता सान्याल एक ऐसी सीरीज है जो रहस्य, भावना और रोमांच से भरी हुई है। इसमें स्टोरीटेलिंग की वह हर चीज है, जो मुझे पसंद है। यह मनोरंजक एवं दिलचस्प है और आपको बांध कर रखती है। अदा ने रीता का किरदार बहुत अच्छे से निभाया है और उसे जीवंत कर दिया है। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं और उन्होंने इस किरदार के साथ पूरा न्याय किया है। मुझे दर्शकों को डिज़्नी+ हॉटस्टार पर हमारे साथ इस सफर पर लेकर चलने का बेसब्री से इंतजार है। यह हमारे लिए बहुत मेहनत और प्यार का काम रहा है, और मैं उम्मीद करता हूं कि दर्शक इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हमें इसे बनाते समय मजा आया। अदा शर्मा, ने कहा, मैं हमेशा से रीता सान्याल जैसा किरदार निभाना चाहती थी। मुझे खुशकिस्मती से कभी टाइपकास्ट नहीं किया गया और मैंने विभिन्न प्रकार के किरदार निभाए हैं कुछ प्रशंसनीय, कुछ डरावने, कुछ प्यारे और कई ऐसे जो मुझसे अलग हैं। लेकिन जब मैंने रीता सान्याल की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मुझे पता था कि यह शो मेरे लिए है। एक्टर्स के रूप में, हमें अलग-अलग किरदारों को निभाने के लिये विभिन्न प्रोजेक्टस करने होते हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के के प्रसिद्ध शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े धूमधाम से सम्पन्न हुआ्।

बेंगलूरु स्तरीय तेरापंथ सभाओं की 'दायित्व हमारा' नामक कार्यशाला आयोजित

गांधीनगर तेरापंथ भवन में आयोजित हुई कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा आचार्य गांधीनगर भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में बेंगलूरु स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। महासभा अध्यक्ष मनसुखलाल सेठिया ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। साध्वीश्री उदितयशाजी ने प्रवचन में कहा कि तेरापंथ संघ का आधार ही आध्यात्म से जुड़ा है। सभा संस्थाओं को जितना कार्य करना है। श्रावकों को अपनी व्यवस्थाओं, मर्यादाओं,अनुशासन की परिधि में गुरु दृष्टि की आराधना को शिरोधार्य कर अपने शीर्ष नेतृत्व द्वारा प्राप्त निर्देशों की पालना के साथ करना चाहिए, मगर दिखावटबाजी से दूर रहकर अपना आध्यात्मिक विकास भी लक्ष्य होना चाहिए। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने प्रेरणात्मक उद्बोधन के साथ गीत का गान किया। महासभा के अध्यक्ष मनसुखलाल सेठिया ने कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कार्यकर्ताओं की अर्हताओं, सभा के दायित्व, सभा संचालन इत्यादि पर उपस्थित सभा, संस्थाओं के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण तथा दिशा निर्देश प्रदान किया एवं कार्यकर्ताओं द्वारा प्राप्त जिज्ञासाओं को सुनकर संतुष्ट भी किया। महासभा सहमंत्री मुकेश गादिया, दक्षिण आंचलिक संयोजक प्रकाश लोढ़ा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का परिचय तथा तेरापंथ सभा गांधीनगर अध्यक्ष पारमल भंसाली ने स्वागत किया। तेयुप गीत की प्रस्तुति दी। इस मौके पर तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर, यशवंतपुर सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, टी दासरहल्ली के अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, हनुमंतनगर के अध्यक्ष गौतम दक, होसकोटे के अध्यक्ष इंद्रचंद धोका, राजराजेश्वरीनगर के राकेश छाजेड़, आडगुड़ी, गांधीनगर ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील चोरड़िया, टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, पूर्व सभा अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल, महिला मंडल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, टीपीएफ अध्यक्ष हितेश गिरिया, अणुव्रत समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी, मानव हितकारी शिक्षण संस्थान मंत्री सुनील बाफना,ज्ञानशाला परिवार आदि संस्थाएं क; कार्यकता आदि उपस्थित थे। तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष ललित मांडोत, प्रकाश कटारिया, राजेंद्र बाफना, सुभाष पोखरना, गौतम मुथा, प्रकाश बाबेल, बहादुर सेठिय आदि उपस्थित थे। प्रथम चरण का संचालन सभा मंत्री विनोद छाजेड़ तथा द्वितीय चरण का संचालन महासभा कार्यसमिति सदस्य नवनीत मुथा ने किया। महासभा कार्यसमिति सदस्य संजय बांठिया ने धन्यवाद दिया।

हिंदी को बढ़ावा व क्षेत्रीय भाषा से प्रेम करना चाहिए : महेन्द्र मुणोत

शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय में मनाया गया हिन्दी दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के के प्रसिद्ध शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े धूमधाम से सम्पन्न हुआ्। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विजयनगर के मारुति मेडिकल्स के मालिक महेंद्र मुणोत उपस्थित थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीजी भास्कर ने की। थी। कार्यक्रम की शुरुआत कुमारी अनन्या द्वारा ईश्वर की स्तुति और कुमारी रितिका सुरेंद्रन के स्वागत नृत्य से हुई। आमंत्रित एवं उपस्थित सभी विद्वज्ञनों का स्वागत हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. सौम्या बी.एल ने किया तथा अतिथि का परिचय दिया। दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत के जीवन पर बनी व हिन्दी विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। तत्पश्चात महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास हेतु आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि और प्राचार्य के करकमलों से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए गए। इसके अलावा तीन वर्षों तक हिंदी विभाग के सभी कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग करने वाले सभी विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अनेक विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के महत्व एवं शिक्षण उद्देश्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने अतिथि-भाषण में देश-भाषा, बोली-प्रदेश और संस्कृति एवं परंपरा के बारे में बताया कि हर भाषा का अपना महत्व है, भारत जैसे देश को एक राष्ट्रभाषा की आवश्यकता है और वह इसे पूरा करने की ताकत हिन्दी भाषा मात्र रखती है। आपका सम्मान और प्रशंसा करने वाले हर किसी का कहना यही है कि हिंदी उनकी मातृभाषा है और कन्नड़ उनकी पसंदीदा भाषा है।

उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी को दिए जाने वाले महत्व की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी को बढ़ावा देने की जरूरत है और क्षेत्रीय भाषा की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। प्राचार्य डॉ. बी.जी. अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी भाषा के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में भाषा का योगदान अतुलनीय है। हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एनएस शास्त्री ने सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। मंच संचालन कुमारी खुशी चावत ने किया।

जेवाईएस सेवा ट्रस्ट के आगामी कवि सम्मेलन के लिए तैयारी बैठकें शुरु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट द्वारा आगामी 13 अक्टूबर को अम्बेडकर भवन में आयोजित होने वाले विराट कवि सम्मेलन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अध्यक्ष सुरेश धोका विभिन्न प्रायोजकों व सहयोगियों का स्वागत किया।

मंत्री सुरेश मांडोत एवं कोषध्यक्ष, कवि सम्मेलन के चेयरमैन कमल पुनमिया ने संयुक्त रूप से आगामी कवि सम्मेलन की जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में कवि हरिओम पवार, अरुण जैमिनी, जानी बैरागी, अनिल अग्रवंशी, कवियित्री गौरी मिश्रा काव्य पाठ करेंगे। सहमंत्री रूपचंद कुमट ने सेवा ट्रस्ट के मुख्य आयाम जीवन संजीवनी, जीवन शिक्षा, जीवन रक्षा की पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन आयमों को गति व सशक्त करने के लिए धन संग्रह कार्यक्रम के रुप में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है । इस कवि सम्मेलन के मुख्य प्रायोजक गुरु पुनवाणी के डायरेक्टर संजय बैन ने सेवा ट्रस्ट के मानवसेवी कार्यों की सराहना की तथा सभी को इन आयाम से जुड़ने के लिए प्रेरणा दी। कवि सम्मेलन के लिए नए कमेटी की नियुक्ति हुई। इस अवसर पर अन्य सदस्य भागचंद गुगलिया, प्रवीण पोरवाल, सज्ञनराज मेहता, विनोद नंदावत, शांतिलाल मेहता, गौतम मेहता, दिनेश सुराणा, भरत रांका, राजेश चावत आदि भी उपस्थित रहे ।

शांत व सम व्यक्ति ही संयम दीक्षा का अधिकारी : संतश्री विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में विनयमुनिजी खींचन ने चार दिवसीय बृहतकल्प सूत्र की प्रवचन माला में कहा कि बृहतकल्प अर्थात् बड़ी मर्यादाओं का जिसमें वर्णन आया है। कषाय दुष्ट अर्थात् मृत्यु पर्यन्त उग्र द्वेष नहीं छोड़ें।

विषय दुष्ट अर्थात् मृत्यु पर्यन्त वासना की वृद्धि रहे। इन दोनों को संयम-दीक्षा नहीं देना चाहिए। इसी तरह उपालंभ को सुनने पर यदि मानसिक और वाचिक दोनों की मर्यादाओं को तोड़ने लगता है, संयम को विध्वंसन कर देता है, सहनशक्ति की कमी तथा आक्रोश की भाषा से संघ में अशांति फैलाता है, ऐसे लोग संयम को तोड़ देते हैं, ऐसों को दीक्षा नहीं देनी चाहिए। स्वयं द्वारा अपनी गलतियाँ देखने की रुचि ही नहीं है, वे भूल सुधारने की तो सोच ही नहीं सकते हैं। इनको मात्र ऐसे लोग चाहिए जो हमारी प्रशंसा गुणगान करते रहे यदि दोष बता दिया तो वे आपा खो बैठते हैं, वे संयमी बनने लायक नहीं होते हैं। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने सभी को धन्यवाद दिया।

जिनशासन को हृदय में विराजमान करने से ही होगा कल्याण : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने अपने प्रवचन केह कहा कि परमात्मा ने जगत जीने के तरीकों को आगम के माध्यम से आत्म साधना का उपदेश दिया। हर एक व्यक्ति की प्रवृत्ति, रुचि, स्वभाव सामान नहीं होता। इस संसार में तीन प्रकार के व्यक्ति होते हैं जिसमें सातवां गनी रजोगुणी यह तीन प्रकार के होते हैं। शांत सुशील धर्मवान होता है। रजोगुणी वाला गुस्सा आवेश वाला होता है जो अंदर में स्वयं की पकड़ रखने वाला होता है और प्रसंग को टालने की ताकत उसमें नहीं होती। तमोगुण वाला व्यक्ति अज्ञानता के अंधकार में भटकता है जिसमें कोई सार का विवेक नहीं होता।

साध्वीश्री ने कहा कि भगवान ने स्वयं के केवल ज्ञान में यह सब होगा यह जानकर हमें प्रभु देशना दी जिसका हमें अनुसरण करना चाहिए। व्यक्ति जितना नमता है उतना ऊंचा उठता है। हृदय में शासन ठंडक पहुंचता है। प्रभु ने हम पर प्रसन्न होकर यह शासन भेंट दिया है। जब हृदय में ठंडक आती है तो समझ लेना हमने शासन में प्रवेश किया है अपने हृदय में शासन की स्थापना हो गई। हृदय में आगे की ज्वाला धड़क रही है तो समझना अभी तक हमारा शासन में प्रवेश नहीं हुआ। यह शासन अलौकिक चीज है । साध्वी धैर्याश्रीजी ने स्तवन सुनाया। संघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचन्द सकलेचा ने संचालन किया।

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में विजयनगर मंडल को मिला सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सूरत में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 49वें राष्ट्रीय अधिवेशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की प्रियंका गादिया को बेस्ट वीडियो मेकिंग, अमिता सामसुखा को श्रावक संबोध कार्यशाला में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए तथा मंडल को भावना चौका एवं प्लास्टिक बॉटल क्रशिंग मशीन लगाने के लिए सम्मानित किया गया। सूरत अधिवेशन में शामिल महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया व अन्य सदस्याओं ने विजयनगर में विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर अभातेममं की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वीणा बैद, सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर , तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने महिला मंडल को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मंत्री दीपिका गोखरू, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया, सहमंत्री ललित डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ एवं संगठन मंत्री अनीता जीरावाला उपस्थित रही।

परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा और पूर्ण समर्पण भाव ही सच्ची प्रभु भक्ति : साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि परमात्मा के निकट होने का सिर्फ एक मात्र उपाय है कि परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा और पूर्ण समर्पण भाव का होना। परमात्मा की बुद्धि या दिमाग से नहीं बल्कि हृदय की गहराइयों से ही प्राप्त किया जा सकता है। हम प्रभु के प्रति भक्तिपूर्ण समर्पण तभी कर सकते हैं जब परमात्मा हमारी आवश्यकता बन जाए। केवल वो ही हमारे जीवन का ध्येय और हमारा परम लक्ष्य होना चाहिए और जब हमारी नजर केवल अपने लक्ष्य पर होती है तभी हमें अपनी मंजिल प्राप्त हो सकती है। जिस प्रकार एक बीज की यात्रा वृद्ध, फल व रस की देयता तक सम्पूर्ण होती है, उसी प्रकार एक आत्मा और एक सच्चे साधक की यात्रा का लक्ष्य परमात्मा एवं मोक्ष होना चाहिए। उस परम पिता परमात्मा को प्राप्त करने के लिए या नर से नारायण बनने के लिए चाहिए कि अपने ध्येय के प्रति पूर्ण समर्पण, पूर्ण विश्वास पूर्ण आशा और पूर्ण भक्ति् हो। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति को जीवन में सफल होने के लिए हमेशा ज्ञानी संत महापुरुषों की संगत करना चाहिए जिससे हमारी आत्मा की भी शुद्धि होकर उनके सद्गुणों का हमारे जीवन में संप्रेक्षण हो सके। व्यक्ति को हमेशा दूसरों की निन्दा चुगली करने से बचना चाहिए और न ही दूसरों की निन्दा, बुराई करने वालों की संगत करना चाहिए। जैसे अपने स्वच्छ साफ किए हुए घर में हम बाहर का कचरा-गन्दगी नहीं डालते हैं और ना किसी को डालने देते हैं। जीवन को उन्नत श्रेष्ठ बनाने का मूलमंत्र यही है कि न स्वयं किसी की बुराई करें और न किसी दूसरे की बुराई को श्रवण करें। प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी म. सा. ने उत्तराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्ययन का वर्णन प्रस्तुत करते हुए कहा कि जैसे गाड़ीवान समतल भूमि राजमार्ग को छोड़कर विषम संकीर्ण मार्ग पर आगे बढ़ते हुए उस पथरीले, कंटक – कांटें से भरे हुए, क्रूर डाकू, हिंसक जानवरों से भरे विषम मार्ग में जाकर वहां पर गाड़ी की धुरी टूट जाने पर अपने को बहुत दुःखी पाकर लाकुल- व्याकुल होकर घोर पश्चाताप करते हुए दुःखी होता है। ठीक वैसे ही संसार में वहीं हालत उन प्राणियों की होती है जो धर्म को छोड़कर अधर्म का मार्ग चुनते हैं। सन्मार्ग दान, करुणा, स्नेह धर्म को छोड़कर क्रोधादि कषाय निन्दा, विकया, चुगली, राग-द्वेष, बुराई, पाप के मार्ग पर चलते है जो हैं उनकी दशा भी उसी गाड़ीवान के समान होती सहीमार्ग को छोड़कर विषम मार्ग को अपनाता है। जैसे जुआ खेलने वाला इंसान सब दाँव जीतकर भी आखिरी दाँव में सब हारकर अपने को अत्यन्त दुःखी खेदित होकर घोर पश्चात्ताप करता हैं। वैसेहि यह दशा संसार में मोहान्छ, भोगासक्त अज्ञानी जीवों की होती हैं। साध्वीश्री ने भगवती सूत्र में वार्णत बारह प्रकार के अकाममरण पर भी संक्षिप्त में सुन्दर प्रेरक विवेचना प्रस्तुत की।

संघ की ओर से अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेशकुमार धोका, सहमंत्री संजय सिंघवी, इन्दरचंद छाजेड़, प्रेमचंद पगारिया ने अतिथियों का सम्मान किया। विजयनगर व हीराबाग संघ के सदस्यों व महिला मंडल ने साध्वीमंडल के दर्शन किए कार्यक्रम का संचालन संघ के उपाध्यक्ष पारसमल दुग्गड़ ने किया ।

तेयुप बेंगलूरु ने 'विजन फॉर विजनलेस' पहल के तहत फैलाई नेत्रदान जागरुकता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के मार्गदर्शन में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दृष्टिहीन व्यक्तियों की सहायता करने जैसे दो कार्यक्रम किए। मल्लेश्वरम स्थित डॉ. सोलंकी आई हॉस्पिटल में आयोजित नेत्रदान जागरुकता कार्यक्रम में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. नरपत सोलंकी ने कहा कि नेत्रदान से दृष्टिहीनों को नई दृष्टि मिलती है, जिससे उनके जीवन में रोशनी आती है। यह समाज में सेवा और सहयोग के भाव को मजबूत करता है। शाम को अन्य कार्यक्रम के तहत तेरापंथ भवन में तेरापंथी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनसुखलाल सेठिया, महासभा सहमंत्री मुकेश गादिया, नवनीत मुथा, प्रकाश लोढ़ा, संजय बांठिया की उपस्थिति में 'विजन फॉर विजनलेस' पहल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेठिया ने कहा कि इस नई पहल के माध्यम से दृष्टिहीनों को नई दृष्टि देने का प्रयास हमारी समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी को दर्शाता है। इसका देशभर में सकारात्मक प्रभाव हो रहा है। कार्यक्रम में तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष प्रसन्न धोका, मनीष भंसाली, मंत्री राकेश चोरड़िया, सहमंत्री अंकित छाजेड़, संगठन मंत्री मोहित डुंगरवाल, संयोजक मोहित सुराणा, हितेश चोपड़ा आदि सदस्य उपस्थित थे।

प्रवासियों ने राजस्थान के लिए दैनिक ट्रेन के लिए सांसद को सौंपा ज्ञापन

मैसूरु-अजमेर एक्सप्रेस का जवाई बांध स्टेशन पर रोकने का निवेदन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । राजस्थानी प्रवासियों ने गुरुवार को सांसद पीसी मोहन से उनके निवास पर भेंट कर राजस्थान जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने के साथ मैसूरु-अजमेर एक्सप्रेस का जवाईबांध स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की है। इस अवसर पर सांसद को दिए ज्ञापन में बेंगलूरु मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी ने निवेदन किया है कि मैसूरु से फालना जाने वाली ट्रेन का ठहराव उत्तर पश्चिम रेलवे के जवाई बांध स्टेशन पर होता है बेंगलूरु व मैसूरु में रहने वाले हजारों लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस पर सांसद पीसी मोहन ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मैसूरु-अजमेर एक्सप्रेस का ठहराव जवाई बांध स्टेशन पर कराने तथा राजस्थान के लिए दैनिक ट्रेन चलवाने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। सेमलानी ने ट्रेनों में आरक्षण की समस्या, चार माह की तय अवधि के पहले दिन ही ट्रेन की टिकट वेटिंग में आने जाने वाली समस्या, राजस्थान के लिए दैनिक ट्रेनों के संचालन पर भी आदि पर भी ध्यान आकर्षित किया।

उन्होंने बताया कि रेलवे ने राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए मैसूरु व बेंगलूरु से नौ जोड़ा ट्रेन चला रखी है, फिर भी इनमें से एक भी ट्रेन दैनिक नहीं है। इस अवसर पर किया के अध्यक्ष दिलीप जैन, जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान, गांधीनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष शैतानसिंह राजपुरोहित, प्रेस्टिज वेस्टवुड सीनियर सिटीजन संघ के नरेन्द्र सिंघवी, कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के सदस्य मूलसिंह राजपुरोहित उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com